मनेन्द्रगढ़
23 अप्रैल 2026 गुरुवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

टीसीएस केस-जबरन धर्मांतरण में शामिल थी निदा खान

पुलिस का दावा-दो महीने की प्रेग्नेंसी का हवाला देकर अग्रिम जमानत मांगी

नासिक, एजेंसी। मुंबई के नासिक स्थित टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) में यौन उत्पीड़न मामले में कंपनी की प्रोसेस एसोसिएट आरोपी निदा खान अब तक फरार है। पुलिस ने दावा किया है कि वह जबरन धर्मांतरण में शामिल थी। सेशंस कोर्ट से गिरफ्तारी पर अंतरिम सुरक्षा नहीं मिलने के बाद पुलिस ने कहा है कि निदा खान की तलाश जारी है।

उसने दो महीने की प्रेग्नेंसी का हवाला देकर अग्रिम जमानत के लिए नासिक सेशंस कोर्ट में अर्जी दी थी, लेकिन कोर्ट ने सोमवार को उसे 27 अप्रैल तक राहत देने से इनकार कर दिया था। अब अदालत 27 अप्रैल को अग्रिम जमानत याचिका और अंतरिम राहत याचिका दोनों पर सुनवाई करेगी।

इस मामले में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कंपनी की ज्यादातर पीड़िताएं मिडिल क्लास परिवारों से हैं। उनकी उम्र 21 से 30 साल के बीच है। वे एसोसिएट लेवल पर काम करती थीं और 20 हजार रुपए महीना सैलरी पाती थीं।

पीड़ित इंजीनियर बोली- गुड़ी पड़वा के दौरान छेड़छाड़ हुई पीड़ित महिला इंजीनियर ने 5 आरोपियों पर जून 2025 से मार्च 2026 के बीच लगातार यौन उत्पीड़न, पीछा करने (स्टॉकिंग) और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप लगाए हैं। उसने कहा कि एक आरोपी ने हिंदू देवी-देवताओं पर अपमानजनक टिप्पणी की।

महिला कर्मचारी ने आरोप लगाया कि उसका टीम लीडर ट्रेनिंग के बहाने उसे गलत तरीके से छूता था। वहीं, एक अन्य आरोपी ने ऑफिस की पेंट्री में गुड़ी पड़वा के दौरान उसके साथ छेड़छाड़ की। पीड़ित ने यह भी कहा कि उसकी शादीशुदा जिंदगी को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई।

जेल में नए आतंकियों की भर्ती व ट्रेनिंग, साजिश रचने वाले पाकिस्तानी संगठन के सात आरोपियों को 7 साल की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने 2023 के बेंगलुरु जेल कट्टरपंथीकरण (लश्कर-ए-तैयबा) मामले में मुख्य साजिशकर्ता और पाकिस्तानी आतंकी संगठन के सदस्य टी नसीर समेत कुल सात आरोपियों को सजा सुनाई है। सात साल के कठोर कारावास के अलावा आरोपियों पर 48000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। इन आरोपियों ने जेल में नए आतंकियों की भर्ती व ट्रेनिंग आदि की साजिश रची थी।

नसीर के अलावा, अदालत ने आरोपी सैयद सुहैल खान, मोहम्मद उमर, जाहिद तबरेज़, सैयद मुदस्सिर पाशा, मोहम्मद फैसल रब्बानी और सलमान खान को आईपीसी, यूए (पी) एक्ट, आर्म्स एक्ट और एक्सप्लोसिव सब्सटेंसेस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है।

दिल्ली में आईआरएस अफसर की बेटी की हत्या

यौन उत्पीड़न की आशंका; नौकर पर शक, डेढ़ महीने पहले काम से निकाला था

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के अमर कॉलोनी इलाके में एक सीनियर IRS अफसर के घर में उनकी 22 साल की बेटी की हत्या कर दी गई। पुलिस ने बुधवार को घटना की जानकारी दी।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवती के साथ पहले यौन उत्पीड़न किया गया और फिर मोबाइल फोन के चार्जिंग केबल से गला घोंटकर उसकी हत्या की गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। परिवार ने घर के एक पुराने नौकर पर शक जताया है, जिसे करीब डेढ़ महीने पहले काम से निकाला गया था।

गर्मी का असर:छत्तीसगढ़ में रेलवे स्टेशन पर पानी का छिड़काव

दिल्ली के स्कूलों में पानी पीने के लिए बजेगी घंटी; आगरा में पर्यटक बेहोश

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत में राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा, बंगाल तक कई इलाकों में हीटवेव का अलर्ट है। पिछले 5 दिनों से पारा लगातार 40 डिग्री से 45 डिग्री के बीच बना है।

तेज गर्मी का असर जनजीवन पर नजर आने लगा है। राजस्थान के टूरिस्ट प्लेस उदयपुर, जयपुर में पर्यटकों की संख्या घट गई है। यूपी के आगरा में ताजमहल देखने पहुंचे 6 पर्यटकों की तबीयत बिगड़ गई।

दिल्ली में पारा इस हफ्ते 45 डिग्री पार जा सकता है। इसके चलते दिल्ली के स्कूलों को निर्देश दिया गया है कि वे हर 45-60 मिनट में घंटी बजाकर छात्रों को पानी पीने की याद दिलाएं। ताकि उन्हें डिहाइड्रेशन से बचाया जा सके।

मध्य प्रदेश के भोपाल समेत 9 जिलों में पहली बार 'वार्म नाइट' की चेतावनी दी है। यानी इन जिलों में रात का तापमान भी 27एष्ट से ज्यादा रहेगा।

वार्म नाइट अलर्ट क्या है...

मौसम विभाग के अनुसार, जब रात का तापमान भी सामान्य से बहुत ज्यादा हो जाता है, तो उसे 'वार्म नाइट' कहा जाता है। यानी जब दिन का तापमान लगातार 40 डिग्री या उससे ऊपर हो और रात का तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री तक ज्यादा हो। इससे रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिलती और मौसम 24 घंटे गर्म बना रहता है।

दिन की तरह रात में भी लू चलेगी।उत्तर प्रदेश के 30 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। प्रयागराज में लगातार पारा 44डिग्री के ऊपर रिकॉर्ड किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में तापमान 43.8डिग्री दर्ज किया गया। यहां रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर मिस्टिंग सिस्टम के तहत ठंडी फुहारें छोड़ी जा रही हैं।

पहलगाम आतंकी हमले का एक साल, सेना बोली:न्याय हमेशा होगा

मोदी ने कहा- भारत आतंकवाद के आगे कभी नहीं झुकेगा, नापाक मंसूबे कामयाब नहीं होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले को आज एक साल हो गया। कश्मीर के सभी टूरिस्ट स्पॉट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। घाटी में काम करने वाले हर पोनी, सर्विस प्रोवाइडर, लोकल गाइड के लिए क्यूआर कोड बेस्ड स्पेशल चेकिंग सिस्टम बनाया गया है।

22 अप्रैल 2025 को आतंकियों ने बैसरन घाटी में घूमने आए सैलानियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी।

इधर, आतंकी हमले को याद करते हुए पीएम मोदी ने एक पोस्ट में लिखा है- पिछले साल आज ही के दिन पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को याद कर रहा हूं। उन्हें कभी भुलाया नहीं जाएगा। एक राष्ट्र के तौर पर, हम दुख और संकल्प में एकजुट हैं। भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा। आतंकवादियों के नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

राहुल गांधी का कोलकाता दौरा रद्द प्रशासन पर परमिशन नहीं देने का आरोप

शाह बोले- बंगाल में बाबरी मस्जिद नहीं बनने देंगे

कोलकाता/चेन्नई/नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का 23 अप्रैल को कोलकाता दौरा रद्द कर दिया गया है। पार्टी का आरोप है कि स्थानीय प्रशासन ने ममता सरकार के इशारे पर अनुमति नहीं दी।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पार्टी ने शाम 6 बजे तक मंजूरी का इंतजार किया। पुलिस से अनुमति नहीं मिलने पर कार्यक्रम की तैयारियां पूरी करना संभव नहीं रहा। पार्टी अब नए शेड्यूल के लिए आवेदन करेगी। दौरा 25 या 26 अप्रैल को कराया जा सकता है।

इधर, गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में तीन रैलियां की। उन्होंने चांदीपुर में कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर बंगाल में बाबरी मस्जिद नहीं बनने देंगे। अयोध्या में जहां बाबरी मस्जिद थी, वहां राम मंदिर बन चुका है। बंगाल में ऐसी कोई कोशिश सफल नहीं होगी।इसके अलावा शाह ने आसनसोल में कहा कि ममता के गुंडों कान खोलकर सुन लें। 23 तारीख को मतदान में जरा भी खलल डाला तो 4 मई के बाद उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम करेंगे। ममता के गुंडों की बंगाल के जनता के सामने कोई मजाल नहीं है।

म.प्र. में टैंकर ने कार को रौंदा, 6 की मौत

दूल्हे के भाई की भी गई जान

एक घंटे फंसे रहे युवकों के शव; बारात से लौटते समय हादसा

बड़वानी, एजेंसी। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में मंगलवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जुलवानिया टोल प्लाजा के पास तेज रफ्तार टैंकर ने बारातियों से भरी कार को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में दूल्हे के भाई समेत 6 युवकों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है।सभी युवक बारात में शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में एक वाहन का डीजल खत्म होने पर ये युवक दूसरी कार से डीजल लेने जुलवानिया की ओर गए थे। वापसी के दौरान खरगोन की ओर से आ रहे

अनियंत्रित टैंकर ने उनकी टीयूवी कार को जोरदार टक्कर मार दी।टैंकर चालक हादसे के बाद वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने टैंकर जब्त कर लिया है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

कार के अंदर ही फंस गए युवक

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और सभी युवक अंदर ही फंस गए। सूचना मिलते ही जुलवानिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। कार में फंसे युवकों को बाहर निकालने में करीब एक घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी। शुरुआती जानकारी में 3 युवकों की मौके पर मौत हुई थी, जबकि बाद में 3 ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

एंबुलेंस में खराबी, परिजन घायलों को ले गए: घायलों को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर किया गया।

ईरान पर ट्रम्प का एकतरफा सीजफायर

कहा- पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर और पीएम शहबाज की अपील पर फैसला; लेकिन नाकेबंदी जारी रहेगी

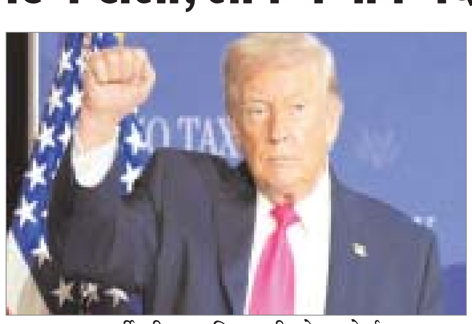

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका, पाकिस्तान की अपील पर ईरान के साथ चल रहे युद्धविराम (सीजफायर) को आगे बढ़ा रहा है। हालांकि उन्होंने यह नहीं कहा कि यह कितने दिन के लिए बढ़ाया गया है।

ट्रम्प ने कहा कि ईरान में इस समय नेतृत्व और सरकार में एकजुटता नहीं है। ऐसे वक्त में पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने उनसे ईरान पर कुछ समय तक हमले रोकने की अपील की, ताकि ईरान को साझा प्रस्ताव तैयार करने का वक्त मिल सके।

ट्रम्प ने कहा कि इस अपील को मानते हुए उन्होंने अमेरिकी सेना को फिलहाल हमला रोकने का आदेश दिया है। हालांकि, सेना को पूरी तरह तैयार रहने को भी कहा गया है। इस दौरान ईरान पर दबाव बनाए रखने के लिए नाकेबंदी (ब्लॉकेड) जारी रहेगी।

उन्होंने साफ किया कि सीजफायर तब तक जारी रहेगा जब तक ईरान अपनी ओर से ठोस और एकजुट प्रस्ताव नहीं दे देता और बातचीत पूरी नहीं हो जाती, चाहे उसका नतीजा कुछ भी निकले।

तमिलनाडु में टीवीके के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत, आचार संहिता उल्लंघन के लगे आरोप

चैन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में चुनावी आचार संहिता के कथित उल्लंघन को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। एक शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राजनीतिक दल टीवीके द्वारा मतदान से पहले लागू 48 घंटे की 'साइलेंस पीरियड' का उल्लंघन करने की तैयारी की जा रही है। शिकायतकर्ताओं एल. देवसगायम और पी. अडिकेसवन ने तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को इस संबंध में औपचारिक शिकायत सौंपी है। इसमें दावा किया गया है कि 22 अप्रैल को बड़े स्तर पर एक ऑनलाइन राजनीतिक अभियान चलाने की योजना बनाई गई है, जो चुनावी नियमों के खिलाफ माना जा रहा है।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि यह गतिविधि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 128 का उल्लंघन हो सकती है, जिसके तहत तीन महीने तक की सजा का प्रावधान है। शिकायतकर्ताओं ने चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए संबंधित ऑनलाइन सामग्री को हटाने, अभियान को रोकने और जिम्मेदार लोगों पर कानूनी कार्रवाई की अपील की है।

केदारनाथ धाम के खुले कपाट, हर-हर महादेव से गूंजा बाबा का धाम

सीएम धामी ने की पीएम के नाम की पहली पूजा

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। चारधाम यात्रा के चौथे दिन बुधवार सुबह 8 बजे केदारनाथ धाम के कपाट विधिवत खोल दिए गए हैं। परंपरा के अनुसार सबसे पहले मंदिर के पूर्व द्वार को खोला गया और मुख्य पुजारी, रावल व हक-हकूकधारियों ने अंदर प्रवेश कर पूजा-अर्चना शुरू की। इस दौरान पिछले साल कपाट बंद करते समय ज्योतिर्लिंग पर लगाई गई भस्म को हटाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद के रूप में बांटा गया।

कपाट खुलने के मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धाम में पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम की पहली पूजा कराई। वैदिक विधि-विधान के साथ पूजा प्रक्रिया पूरी होने के बाद मंदिर के मुख्य द्वार अब आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए और दर्शन शुरू हो गए हैं।

इस बार यात्रा में नियमों को लेकर ज्यादा सख्ती देखने को मिल रही है। मंदिर समिति ने साफ किया है कि मंदिर परिसर से 50 से 60 मीटर के एरिया में किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन ले जाने की परमिशन नहीं है। इसके अलावा फोटोग्राफी के लिए धाम में अलग से तय स्थान बनाए गए हैं, मोबाइल वहीं इस्तेमाल किया जा सकेगा। मुख्य मंदिर परिसर में रील बनाना, फोटो खींचना और वीडियो बनाना पूरी तरह बैन है।

पीएम ने इस साल की चारधाम यात्रा के शुभारंभ पर सभी भक्तों के लिए एक पत्र भी लिखा है। उन्होंने बाबा केदार से प्रार्थना करते हुए कहा कि भगवान केदारनाथ का आशीर्वाद सभी पर बना रहे और सभी की यात्रा मंगलमय हो। उन्होंने अपने पत्र में केदारनाथ और बद्रीनाथ में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विकसित की गई नई

सुविधाओं (जैसे बैठने की क्षमता, बेहतर सड़कें और चिकित्सा सुविधाएं) को भी बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये धाम केवल तीर्थ स्थल नहीं हैं, बल्कि ये हमारी प्राचीन संस्कृति और विरासत के केंद्र हैं। उन्होंने केदारपुरी के नवनिर्माण में लगे सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और विश्वास जताया कि इस बार की यात्रा श्रद्धालुओं के लिए पहले से अधिक सुगम और यादगार होगी।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा-

देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र धरती पर आज श्री केदारनाथ धाम के कपाट पूरे विधि-विधान के साथ हम सभी श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। केदारनाथ धाम और चारधाम की यह यात्रा हमारी आस्था, एकता और समृद्ध परंपराओं का दिव्य उत्सव है। इन यात्राओं से हमें भारत की सनातन संस्कृति के दर्शन भी होते हैं।

बंगाल में वोटिंग से पहले धरपकड़, कोलकाता के कई इलाकों से पुलिस ने उठाए 11 कुख्यात अपराधी

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता में विधानसभा चुनाव से पहले शांति बनाए रखने के लिए पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 कुख्यात अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुख्यालय लालबाजार के जासूसी विभाग की टीम ने रातभर चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान इन सभी अपराधियों को पकड़ा। पिछली चुनावी प्रक्रियाओं के दौरान हिंसा फैलाने के आरोप भी इन पर लगे थे। कई अपराधियों के खिलाफ अदालत से गैर-जमानती वारंट भी जारी थे, लेकिन वे फरार चल रहे थे। गिरफ्तार अपराधियों में उत्तर कोलकाता का कुख्यात अपराधी कार्तिक सोनकर उर्फ 'खरगोश', अमित सिंह उर्फ 'चैप्टा', उत्तम साउ उर्फ 'उच्छे', इस्तियाक अहमद उर्फ 'मिस्टर', शेख मुनव्वर उर्फ 'मन्नू' , मोहम्मद सिराज, कृष्ण खरोवार, जयदेव मालाकार उर्फ 'मैंडेला', मिंटू घोड़ुई उर्फ 'बोल्टू', अर्पण चक्रवर्ती और शाहादत हुसैन उर्फ 'शाका' शामिल हैं। मंगलवार को शहर के विभिन्न इलाकों में नाका चेकिंग के दौरान कुल 6 लाख 33 हजार 500 रुपये नकद बरामद किए गए।

तृणमूल-भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की घटना में नौ गिरफ्तार: कोलकाता के इकबालपुर में सोमवार रात तृणमूल कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प की घटना में पुलिस ने कुल नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। यह घटना एकबालपुर थाने के बाहर हुसैन शाह रोड पर चुनाव प्रचार के दौरान हुई। भाजपा के उम्मीदवार राकेश सिंह की अगुवाई में चल रहे कार्यक्रम के दौरान पार्टी कार्यकर्ता नारेबाजी कर रहे थे, जिसका जवाब तृणमूल कांग्रेस समर्थकों ने भी नारे लगाकर दिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच बहस बढ़ गई और मामला झड़प में बदल गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में पांच भाजपा कार्यकर्ता और चार तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हैं। इस मामले में तीन एफआइआर दर्ज की गई हैं।

बच्चों को मिला पाकिस्तानी मोर्टार बम निरोधक दस्ता पहुंचा...200 मीटर तक घेराबंदी

वाराणसी, एजेंसी। बांसडीह-मनियर मार्ग स्थित गंगापुर गांव में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पुराने ईंट-भट्ठे के लिए खोदे गए गड्ढे में मछली पकड़ रहे बच्चों को एक संदिग्ध मोर्टार बम मिल गया। देखते ही देखते यह खबर पूरे इलाके में फैल गई और मौके पर भारी भीड़ जुट गई। लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं, जिससे स्थिति और संवेदनशील हो गई। जानकारी के अनुसार, मनियर कस्बा निवासी एक व्यक्ति गंगापुर गांव के बाहर स्थित पुराने ईंट-भट्ठे के गड्ढे से मोटर पंप के जरिए पानी निकलवा रहा था। इसी दौरान आसपास के छोटे-छोटे बच्चे उसमें मछली पकड़ रहे थे। मछली पकड़ते समय एक बच्चे के हाथ में मछली की जगह मोर्टार जैसा विस्फोटक आ गया। बच्चों ने पहले इसे सामान्य वस्तु समझा और उसे बेचने के इरादे से कबाड़ की दुकान पर पहुंच गए। हालांकि, कबाड़ी ने इसे लेने से इनकार कर दिया और पुलिस को सूचना देने की सलाह दी।

पुलिस ने की कार्रवाइः ग्रामीणों की सूचना पर मनियर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष अजय त्रिपाठी ने दलबल के साथ पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और करीब 200 मीटर के दायरे में लोगों की आवाजाही रोक दी गई। पुलिस ने संदिग्ध वस्तु को सुरक्षित स्थान पर रखवाकर उच्चाधिकारियों को सूचना दी।

इस बीच, मोर्टार पर चांद और सितारे जैसी आकृति होने की बात सामने आने पर लोगों के बीच यह अफवाह फैल गई कि यह पाकिस्तान का मोर्टार बम है। अफवाह के चलते आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए और घंटों तक वहां भीड़ लगी रही। कोई इसे पुराने युद्ध का अवशेष बता रहा था, तो कोई अंतरराष्ट्रीय घटनाओं से जोड़कर तरह-तरह की अटकलें लगा रहा था।देर शाम आजमगढ़ से बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा। टीम ने संदिग्ध मोर्टार की गहन जांच कर उसे अपने कब्जे में ले लिया। एएसपी उत्तरी दिनेश शुक्ल ने बताया कि मोर्टार कहां से आया और कितने समय से गड्ढे में पड़ा था, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और पूरे मामले की विस्तृत पड़ताल जारी है।

खजनी में रसोई गैस किल्लत पर भड़के ग्राहक, हंगामा, पुलिस से नोकझोंक

उनवल (गोरखपुर), एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष पर विराम के बावजूद रसोई गैस किल्लत खत्म होने का नमा नहीं ले रही।मांग की तुलना में आपूर्ति कम होने के चलते गैस सिलिंडर की किल्लत बढ़ती जा रही है। मंगलवार को खजनी स्थित गैस एजेंसी पर सिलिंडर वितरण के दौरान जमकर हंगामा हुआ। व्यवस्था संभालने पहुंची पुलिस से भी लोगों की तीखी नोकझोंक हुई। बाद में मामला शांत होने पर पुलिस की निगरानी में सिलिंडर बंटवाए गए।बताया जा रहा है कि सुबह करीब चार बजे से ही सैकड़ों उपभोक्ता गैस सिलिंडर लेने के लिए गोदाम के बाहर लाइन में खड़े हो गए थे लेकिन समय पर वितरण शुरू न होने से लोगों में नाराजगी बढ़ गई। स्थिति धीरे-धीरे तनावपूर्ण हो गई और उपभोक्ताओं व एजेंसी कर्मियों के बीच नोकझोंक शुरू हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस से भी लोगों की नोकझोंक हुई।गोदाम के बाहर लंबी लाइन में लगे उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि एजेंसी पर गैस की पर्याप्त उपलब्धता नहीं थी और वितरण प्रक्रिया भी सही तरीके से नहीं चल रही थी। इसी बीच वाहन से सिलिंडर वितरण किए जाने को लेकर भी लोगों ने आपत्ति जताई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही खजनी पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को को समझाने प्रयास किया।एजेंसी संचालक ने बताया कि गैस की आपूर्ति कम है, जबकि उपभोक्ताओं की संख्या अधिक है। बुकिंग के बाद सिलिंडर मिलने में करीब 45 दिन का समय लग रहा है, जो सबसे बड़ी समस्या बन गई है। थाना प्रभारी खजनी ने बताया कि मामला शांत हो गया है। पुलिस की मौजूदगी में गैस वितरण किया गया।उधर, गैस वितरण में बैकलॉग बढ़ा है।

अंडा पार्टी में खूनी विवाद, युवक को पीटकर छत से नीचे फेंका, मौत के बाद परिजनों ने लगाया जाम

कानपुर, एजेंसी। चित्रकूट जिले में बहिलपुरवा थाना क्षेत्र के खांच गांव में पार्टी के दौरान हुए विवाद के बाद युवक की साथियों ने पिटाई की। इसके बाद छत से नीचे फेंक दिया। प्रयागराज में इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस को तहरीर दी, लेकिन कार्रवाई न होने से नाराज परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए एसपी कार्यालय व कलक्ट्रेट के सामने जाम लगा दिया और हंगामा करने लगे। साथ ही, बिना कार्रवाई के अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। खांच गांव की गौरा देवी ने बताया कि उसके बेटे मनोज कुमार (19) को गांव का ही अजय उर्फ पप्पू अपने साथ ले गया था। रात में अपने घर में संजय में अंडा पार्टी की थी। उसी में कुछ विवाद हुआ था।

एनसीआर में बढ़ेगा गर्मी का प्रकोप, 44 डिग्री तक पहुंच सकता है पारा, हीट वेव का अलर्ट जारी

नोएडा, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में आने वाले दिनों में भीषण गर्मी का दौर जारी रहने वाला है। मौसम विभाग द्वारा जारी ताजा पूर्वानुमान के अनुसार अगले चार दिनों तक सूरज का प्रकोप लगातार बढ़ेगा और अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। तेज धूप के साथ चलने वाली गर्म हवाएं लू का रूप लेंगी, जिससे आम जनजीवन प्रभावित होने की आशंका है। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, 22 अप्रैल को अधिकतम तापमान 41 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री दर्ज किया गया। 23 अप्रैल को तापमान बढ़कर 42 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। वहीं, 24 और 25 अप्रैल को स्थिति और गंभीर हो सकती है, जब अधिकतम तापमान क्रमशः 43 डिग्री और 44 डिग्री तक पहुंच सकता है। इन दोनों दिनों के लिए हीट वेव की चेतावनी जारी की गई है। 26 और 27 अप्रैल को भी गर्मी से राहत मिलने के आसार कम हैं, जब अधिकतम तापमान 42 डिग्री के आसपास बना रहेगा। लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने भी हीट वेव को लेकर एडवाइजरी जारी कर दी है। लोगों को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। पर्याप्त पानी पीने, हल्के कपड़े पहनने और धूप से बचाव के उपाय अपनाने पर जोर दिया गया है। गर्मी के इस बढ़ते प्रभाव को देखते हुए स्कूलों में भी एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। कई स्कूलों ने दिन के समय होने वाले स्पोर्ट्स पीरियड में बच्चों के बाहर निकलने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही प्रशासन और शिक्षा विभाग स्कूलों के समय में बदलाव पर भी विचार कर रहे हैं, ताकि बच्चों को भीषण गर्मी से बचाया जा सके।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अप्रैल के अंतिम सप्ताह में इस तरह की गर्मी असामान्य नहीं है, लेकिन इस बार तापमान सामान्य से अधिक रहने के कारण लू का असर ज्यादा खतरनाक हो सकता है। ऐसे में सभी लोगों को सावधानी बरतने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की आवश्यकता है।

सीबीआई ने कोर्ट में डीजीसीए के डिप्टी डायरेक्टर समेत दो को किया पेश, 5 दिन की और कस्टडी मांगी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने घूसखोरी के मामले में गिरफ्तार नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) अधिकारी मुदावत देवुला और एक प्राइवेट कंपनी के अधिकारी भरत माथुर को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। तीन दिन की सीबीआई कस्टडी पूरा होने के बाद दोनों आरोपियों को अदालत में पेश किया गया। डीजीसीए के अधिकारी मुदावत देवुला और दूसरा एक बड़े कॉर्पोरेट ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट भरत माथुर पर आरोप है कि ड्रोन इम्पोर्ट की परमिशन दिलाने के बदले 2.5 लाख रुपए की रिश्वत ली गई। सीबीआई ने इनके घरों और दफ्तरों पर छापे मारे तो 37 लाख रुपए नकद, सोने-चांदी के सिक्के, और कई डिजिटल डिवाइस भी मिले। मुदावत देवुला डीजीसीए के एयरवर्थनेस डायरेक्टरेट में डिप्टी डायरेक्टर जनरल के पद पर काम करते थे। देवुला का काम यह तय करना होता है कि कोई विमान या ड्रोन उड़ान के लिए सुरक्षित है या नहीं। दूसरे गिरफ्तार शख्स भरत माथुर एक बड़े कॉर्पोरेट ग्रुप में सीनियर वाइस प्रेसिडेंट है और एक एयरोस्पेस कंपनी से भी जुड़ा हुआ है जो ड्रोन इम्पोर्ट के कारोबार में शामिल है। सीबीआई के मुताबिक, मुदावत देवुला अपने सरकारी पद का फायदा उठाकर प्राइवेट कंपनियों से पैसे मांगते थे।

होर्मुज संकट से महंगी होगी शक्कर, सल्फर के दाम चार गुना बढ़े, चीनी मिलों के लिए खतरे की घंटी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में होर्मुज जलडमरूमध्य अधिक दिनों तक बंद रहा तो अगले सीजन में शक्कर महंगी हो जाएगी। देश में अधिक सल्फर इसी रास्ते से होकर आता है। इस समय सल्फर आ नहीं आ पा रहा। इसके दाम चार गुना बढ़ गए हैं।

यह बात नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के पूर्व निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता के दौरान कही। उन्होंने बताया कि आज भी 85 फीसदी चीनी मिलें सल्फर का इस्तेमाल कर रही हैं।प्रदेश की 122 चीनी मिलों में सिर्फ 15 चीनी मिल वैकल्पिक तरीका अपना रही हैं। देश में सबसे अधिक सल्फर मोरक्को से आयात किया जाता है। यह होर्मुज के रास्ते होकर यहां आता है।

प्रोफेसर मोहन ने बताया कि एक टन गन्ना रस की सफाई में चूना और सल्फर का इस्तेमाल होता है। सीजन में तीन हजार लाख टन गन्ना की पेराई की जाती है। सल्फर के स्थान पर चीनी सप्लाई के लिए वैकल्पिक तरीके अपनाए जाते हैं।

कोलकाता पुलिस ने 'कैश ऑन डिलीवरी' मोड का दुरुपयोग कर धोखाधड़ी करने वाले 17 ठगों को किया गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। 'कैश ऑन डिलीवरी' मोड के जरिए किए गए साइबर धोखाधड़ी के मामले में कोलकाता पुलिस ने 17 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मोड का इस्तेमाल कई लोग ऑनलाइन सामान मंगवाने के लिए करते हैं। एक मामले की जांच करते हुए कोलकाता पुलिस के साइबर पुलिस विभाग ने गरियाहाट में एक कॉल सेंटर की तलाशी लेने के बाद 17 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें नौ महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस ने 43 मोबाइल फोन, सिम कार्ड, लैपटॉप और वायरलेस फोन जब्त किए।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि 'कैश ऑन डिलीवरी' के ज़रिए ऑर्डर किया गया सामान मिलने से पहले ऑनलाइन भुगतान करना उचित नहीं है। सामान मिलने के बाद ही उसकी कीमत का भुगतान किया जाना चाहिए। ज़्यादातर लोग जो ऑनलाइन चीजें ऑर्डर करते हैं, वे सामान मिलने के बाद नकद भुगतान करते हैं। कोलकाता पुलिस के अनुसार, इस बार जालसाजो ने 'कैश ऑन डिलीवरी' को ही धोखाधड़ी का एक ज़रिया बना लिया है। कई खरीदार जालसाजों के कहने पर सामान उनके दरवाजे तक पहुंचने से पहले ही गलत जगह पर पैसे भेज देते हैं। इसके बाद, उन्हें ऑर्डर किया गया सामान नहीं मिलता है। पुलिस के अनुसार, जालसाज डिजिटल जानकारी चुराते हैं और देखते हैं कि कौन-कौन लोग अलग-अलग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 'कैश ऑन डिलीवरी' के ज़रिए चीजें ऑर्डर कर रहे हैं। जिस कंपनी या विक्रेता से सामान ऑर्डर किया गया है,

उसके कर्मचारी खरीदार को सामान पहुंचाने से पहले ही जालसाज खरीदार को फोन कर देते हैं। उसके बाद वे कई तरह के बहाने बनाकर खरीदार से कहते हैं कि वे नकद के बजाय क्यूआर कोड के ज़रिए पैसे का भुगतान करें। पुलिस के अनुसार, जो भी खरीदार जालसाज़ों के जाल में फंस जाते हैं और सामान मिलने से पहले ही क्यूआर कोड या फोन नंबर पर पैसे भेज देते हैं, उनके साथ धोखाधड़ी हो जाती है।

युद्ध विराम विस्तार पर ट्रंप के दावे पर ईरान का जवाब क्या, पाक में शांति वार्ता कहां तक पहुंची

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव एक बार फिर विस्फोटक मोड़ पर पहुंच गया है, जहां कूटनीति की धागे लगातार उलझते जा रहे हैं। युद्ध विराम को लेकर बनी नाजुक सहमति अब डगमगाने लगी है और दोनों देशों के बीच भरोसे की खाई और गहरी होती दिख रही है। इसी बीच बड़ा राजनीतिक उलटफेर तब सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध विराम को बढ़ाने के एलान के कुछ ही समय बाद ईरान ने अमेरिका की शर्तो को सिरे से खारिज कर दिया है। ईरान के सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार, तेहरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी दबाव, शर्त या धमकी के आधार पर बातचीत नहीं करेगा। हालांकि इसके बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि युद्ध विराम को आगे बढ़ाया जा रहा है। पाकिस्तान में शांति वार्ता की अटकलों के बीच ईरान का यह दो टूक अंदाज न सिर्फ कूटनीतिक टकराव को तेज करता है, बल्कि पहले से तनावग्रस्त पश्चिम एशिया की स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना देता है।

ईरान की दो टूक और ट्रंप का दावा समझिएः बता दें कि ईरान की तरफ से ट्रंप के बयान पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन शुरुआती संकेतों में ईरान ने अमेरिकी दावों पर शक जताया है और कहा है कि उसने संघर्षविराम बढ़ाने की कोई मांग नहीं की। आईआरआईबी की रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान ने अमेरिका की बातचीत की शर्तो को स्वीकार नहीं किया है। ट्रंप ने एकतरफा तरीके से युद्ध विराम को बढ़ाया है। दूसरी ओर मामले में युद्ध विराम को बढ़ाने का एलान करते हुए इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि ईरान की सरकार अंदर से बंटी हुई है। इसलिए उसे एक साथ मिलकर प्रस्ताव तैयार करने का समय दिया जाना चाहिए। ट्रंप के अनुसार, यह निर्णय पाकिस्तान के सेना प्रमुख सैयद आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के अनुरोध के बाद लिया गया।

ट्रंप ने अपने एलान में क्या कहा थाः बता दें कि इससे पहले ट्रंप ने दावा किया था कि अमेरिका ने ईरान पर हमला रोकने का फैसला किया है। जब तक ईरान एक एकजुट प्रस्ताव नहीं देता, तब तक संघर्षविराम जारी रहेगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना अपनी तैयारी बनाए रखेगी और नाकाबंदी भी जारी रहेगी।

अभी क्या है युद्ध विराम की स्थितिः यह संघर्षविराम इस महीने की शुरुआत में बातचीत के लिए शुरू किया गया था, लेकिन दोनों देशों के बीच भरोसा कमजोर बना हुआ है। स्थिति अभी भी अस्थिर है। इस बीच रिपोर्ट में यह कहा गया है कि अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा फिलहाल रोक दी गई है, क्योंकि ईरान ने अमेरिकी प्रस्तावों का कोई जवाब नहीं दिया है।

ट्रंप ने ईरान के साथ युद्धविराम बढ़ाया, बोले-पाकिस्तान के अनुरोध पर उठाया कदम

यरूशलम, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्डने ईरान के साथ जारी अस्थायी युद्धविराम को आगे बढ़ाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच नए दौर की आमने-सामने बातचीत की तैयारी के लिए मध्यस्थों को और समय दिया जा रहा है। ट्रंप ने यह फैसला युद्धविराम की अवधि खत्म होने से कुछ घंटे पहले लिया। उन्होंने कहा कि यह कदम पाकिस्तान के अनुरोध पर उठाया गया है। उन्होंने कहा कि वह ईरान से एक ऐसे प्रस्ताव का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें सभी बातें एक साथ और सहमति के साथ हों। इस फैसले से फिलहाल दोबारा जंग शुरू होने का खतरा कम हो गया है। लेकिन दोनों पक्षों के बीच अभी भी गहरे मतभेद हैं। अमेरिका की ओर से ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी अभी भी जारी है और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा भी फिलहाल स्थगित है।

अमेरिका की नाकाबंदी अस्वीकार्यः ईरानी विदेश मंत्रालयः रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की मध्यस्थता में बातचीत की तैयारी चल रही है। लेकिन ईरान ने कहा है कि अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि विरोधाभासी

बयान और अमेरिकी कार्रवाई के कारण फैसला अटका हुआ है। उन्होंने अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को भी 'अस्वीकार्य' बताया।

अमेरिकी पक्ष ने रद्द की पाकिस्तान की यात्राः अमेरिकी पक्ष ने भी पाकिस्तान यात्रा रद्द कर दी है और पाकिस्तान ने बातचीत जारी रखने के लिए कोशिश तेज कर दी हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने यह युद्धविराम पाकिस्तान के अनुरोध पर बढ़ाया है। उन्होंने दावा किया कि ईरान के नेतृत्व को 'बिखरा हुआ' है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने उनसे इंतजार करने को कहा है, ताकि ईरान एक साझा प्रस्ताव ला सके। हालांकि, अमेरिका की नाकेबंदी अभी भी जारी रहेगी।

होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनावः इस बीच, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर तनाव बना हुआ है। जहां से वैश्विक तेल और गैस का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ईरान ने हाल में इस क्षेत्र में जहाजों पर हमले किए हैं और अमेरिका ने भी एक ईरानी जहाज को रोकने की कार्रवाई की है। स्थिति अभी भी बेहद तनावपूर्ण और अस्थिर बनी हुई है।

28 फरवरी को शुरू हुआ था युद्धः अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को युद्ध शुरू किया था, जिसके बाद छह सप्ताह तक संघर्ष चला और इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा। अप्रैल में ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच 14 दिन का अस्थायी युद्धविराम लागू हुआ और यह अब तक काफी हद तक कायम है।

पाकिस्तान में विफल हुई पहले दौर की वार्ताः इससे पहले अप्रैल में पाकिस्तान में वार्ता हुई थी। लेकिन वह बिना किसी समझौते के खत्म हो गई थी। होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी लगभग बंद स्थिति में है और ईरान ने इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों से भारी शुल्क वसूला है। अमेरिका ने भी ईरानी बंदरगाहों पर जहाजों को रोकना शुरू कर दिया है और एक ईरानी जहाज पर कार्रवाई भी की गई है। ईरान ने इसे 'समुद्री डकैती' बताया।

ईरान का परमाणु कार्यक्रम वार्ता का प्रमुख मुद्दाः ईरान का परमाणु कार्यक्रम भी अभी वार्ता का बड़ा मुद्दा है। उसका संवर्धित यूरेनियम अभी भी देश के भीतर मौजूद है और वह कहता है कि इसे शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का उसे अधिकार है।

वे इज्जत बचाना चाह रहे.., ईरान और उसके नेताओं के खात्मे तक डील असंभव'; ट्रंप का इशारा क्या

अमेरिका और ईरान के बीच टकराव अब कूटनीति की पतली डोर पर झूल रहा है, जहां शांति के प्रयासों के बीच युद्ध का साया गहराता जा रहा है। ऐसे में अब एक बार फिर ईरान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख ने वैश्विक चिंता को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा कि होर्मुज को लेकर ईरान सिर्फ इज्जत बचाने का खेल खेल रहा है। अपने बयान में ट्रंप ने साफ-साफ कहा कि ईरान वास्तव में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं करना चाहता, बल्कि उसे खुला रखना चाहता है। उनके मुताबिक, ऐसा इसलिए है क्योंकि ईरान इस रास्ते से हर दिन लगभग 500 मिलियन डॉलर (करीब 4,000 करोड़ रुपये) की कमाई करता है। ट्रंप ने ये बातें अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ

सोशल पर पोस्ट में कही। जहां उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ईरान केवल दिखावे के लिए यह कह रहा है कि वह इस जलडमरूमध्य को बंद करना चाहता है।

होर्मुज को लेकर फिर किया बड़ा दावाः अपने पोस्ट में एक बार फिर ट्रंप ने होर्मुज को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि असल में अमेरिका ने इस रास्ते को पूरी तरह से ब्लॉक (बंद) कर रखा है, इसलिए ईरान अपनी इज्जत बचाने के लिए ऐसी बातें कर रहा है। ट्रंप के अनुसार, कुछ लोगों ने उनसे संपर्क कर बताया कि ईरान तुरंत इस रास्ते को खोलना चाहता है। यानी, ईरान खुद भी समझता है कि यह रास्ता बंद रहने से उसे भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है।

ईरान को फिर ट्रंप की दो टूक, इशारा क्याः अपने पोस्ट में ट्रंप ने एक बार फिर बड़ा दावा करते हुए कहा कि अभी चार दिन पहले कुछ लोग उनके पास आए और बताया कि ईरान चाहता है कि होर्मुज को तुरंत खोल दिया जाए। ट्रंप ने आगे कहा कि अगर अमेरिका इस रास्ते को खोल देता है, तो फिर ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत या समझौता संभव नहीं रहेगा। उन्होंने बेहद कड़े शब्दों में दो टूक अंदाज में कहा कि ऐसी स्थिति में तब तक कोई डील नहीं हो सकती, जब तक ईरान और उसके नेताओं के खिलाफ पूरी तरह सख्त कार्रवाई न की जाए।

तनाव के बीच क्यों अहम है यह मुद्दाः इस बात को ऐसे समझिए कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक चिंता का केंद्र बन गई है।

यह संकरा समुद्री रास्ता फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और दुनिया के सबसे बड़े तेल ट्रांजिट मार्गों में गिना जाता है।

अनुमान है कि वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है, जिससे एशिया, यूरोप और अन्य देशों की ऊर्जा जरूरतें पूरी होती हैं। ऐसे में अगर यह जलडमरूमध्य किसी भी कारण से बंद होती है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की सप्लाई अचानक घट सकती है।

टैरिफ रिफंड से भारत को मिल सकते हैं 12 अरब डॉलर, पर सीधे नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से मनमाने तरीके से वसूले गए टैरिफ की रिफंड प्रक्रिया शुरू कर दी है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा, रिफंड प्रक्रिया के तहत 166 अरब डॉलर से ज्यादा राशि लौटाई जाएगी, जिसमें से करीब 12 अरब डॉलर (1.12 लाख करोड़ रुपये) भारतीय वस्तुओं से संबंधित हैं। यानी रिफंड प्रक्रिया में भारत को 12 अरब डॉलर मिलने की संभावना है, पर सीधे तरीके से नहीं। जीटीआरआई ने कहा, रिफंड की राशि सिर्फ अमेरिकी आयातकों के खाते में जाती है और निर्यातकों का इस पर कोई कानूनी अधिकार नहीं होता। ऐसे में भारतीय निर्यातकों के पास रिफंड का दावा करने का कोई सीधा कानूनी रास्ता नहीं होगा। ऐसे में उन्हें अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से संपर्क करना चाहिए। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, कोई भी शुल्क वापसी व्यावसायिक बातचीत पर निर्भर करेगी। इसके लिए भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी खरीदारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना चाहिए। विशेषकर, उन मामलों में जहां पहले की कीमतों में टैरिफ लागत शामिल थी।

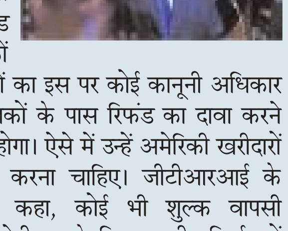

निर्यातक तीन तरीकों से उठा सकते हैं लाभः रिबेट-शेयरिंग डील : भारतीय निर्यातक अपने अमेरिकी खरीदारों के साथ रिफंड को आपस में बांटने का सौदा कर सकते हैं।

नौकरानी को बाल पकड़कर पीटा, घसीटा, पीड़िता बोली, नशे की गोलियां खिलाकर बैंक से निकाल लिए 6 लाख रुपए

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। अधारताल क्षेत्र में सनसनीखेज घटनाक्रम सामने आया है। यहां पर नौकरानीद्ध के साथ मारपीट कर ठगी का मामला सामने आया है। मामूली विवाद के बाद उसे थप्पड़ मारे गए और बाल पकड़कर जमीन पर घसीटा गया। ये सारा घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद हुई है। पीड़िता पूनम बर्मन ने पुलिस अधिकारियों को लिखित शिकायत देते हुए बताया है कि वह अंजू पांडे के घर पर काम करती थी। आरोप है कि उसे नशे की गोली खिलाकर चेक साइन करवाए गए और कार में बैठाकर बैंक ले जाकर खाते से पैसे निकलवाए गए। होश में आने पर विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। पीड़िता की बहन हीरा बाई ने बताया कि पूनम के खाते में करीब 6 लाख 30 हजार रुपए थे, जिन्हें आरोपी ने निकलवा लिया। साथ ही उसकी पूरी कमाई और बैंक दस्तावेज भी अपने पास रख लिए। पीड़िता ने एक वीडियो दिया है, जिसमें मालकिन अंजू पांडे मारपीट करती दिख रही है। एएसपी के निर्देश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पैसे मांगे, मना करने पर पीटा: पूनम का कहना है कि वह कई महीनों से काम कर रही थी। अचानक अंजू पांडे ने पैसों की मांग शुरू की। मना करने पर उसके साथ मारपीट की गई और साजिश के तहत खाते से पैसे निकलवाए गए। आज पीड़िता अपनी बहनों के साथ एसपी कार्यालय पहुंची और शिकायत सौंपी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज और शिकायत के आधार पर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

छात्रा ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, भाई के साथ रहकर कर रही थी बीएससी की पढ़ाई

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। आनंद कालोनी बल्देवबाग में किराए के मकान में अपने भाई के साथ रहकर बीएससी की पढ़ाई कर रही छात्रा स्वर्णलता बरमैया ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बहन को फांसी के फंदे पर लटकते देख भाई कपिल स्तब्ध रह गया। खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्होने शव को पोस्टमार्टम के लिए शासकीय अस्पताल पहुंचाकर मर्ग कायम कर लिया है।

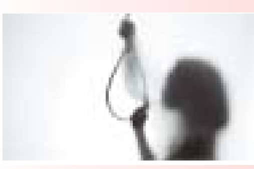

पशुलिस के अनुसार सिवनी में रहने वाली स्वर्णलता उम्र 18 वर्ष व उसका भाई कपिल बरमैया ने करीब 6 माह पहले जबलपुर की आनंद कालोनी बल्देवबाग में किराए का घर लिया। यहां पर रहकर स्वर्णलता बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा थी जबकि उसका भाई बीटेक और कर्णिका बीपीटी प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहे हैं। स्वर्णलता ने सुबह 10 बजे अपने भाई को जगाकर कपड़े धोने और नहाने जाने की बात कहकर बाथरुम में चली गई। दोपहर 1 बजे जब भाई की नींद खुली तो स्वर्णलता कहीं नजर नहीं आई। संदेह होने पर जब बाथरूम का दरवाजा खटखटाया गया और भीतर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो भाई ने दरवाजे के झरोखे से हाथ डालकर कुंडी खोली। अंदर स्वर्णलता वेंटीलेशन की रॉड से अपनी चुनरी के फंदे पर लटकी मिली। बहन को फांसी के फंदे पर लटकते देख भाई कपिल घबरा गया, उसने आसपास के लोगों की मदद से फंदा काटा और निजी अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां पर डाक्टरों ने जांच के बाद स्वर्णलता को मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस को पूछताछ में भाई ने बताया कि वह पिछले कुछ समय से महिला संबंधी बीमारी से ग्रसित और परेशान थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएगे उस आधार आगे की कार्यवाही की जाएगी।

सगाई के बाद मंगेतर ने युवती के साथ बनाए शारीरिक संबंध, फिर किया शादी से इंकार

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। माढ़ोताल क्षेत्र में युवक ने सगाई के बाद युवती को भरोसे में लेकर शारीरिक संबंध बनाए, इसके बाद कुछ पुरानी तस्वीरों का बहाना बनाकर शादी करने से इंकार कर दिया। मंगेतर द्वारा दिए गए धोखे से व्यथित युवती ने परिजनों की मदद से थाना पहुंचकर पुलिस को घटनाक्रम की जानकारी दी। जिसपर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस के अनुसार युवती पूनम (परिवर्तित नाम) उम्र 21 वर्ष की अजीत नामक युवक से शादी तय हुई। इसके बाद परिजनों की सहमति से सगाई हो गई। फिर दोनों के बीच मोबाइल फोन पर बातचीत होने लगी, बातचीत के दौरान 21 मार्च की शाम जब युवती घर में अकेली थी, तब अजीत घर पहुंचा। अजीत ने युवती को भरोसे में लेते हुए कहा कि अब वह भविष्य में उसका पति बनने वाला है। इस तरह से बातें करते हुए शारीरिक संबंध बनाए। घर में शादी की तैयारियां चल रही थी, दस दिन शेष रह गए थे। इस बीच अजीत ने पूनम से बात करते हुए शादी से इंकार कर दिया। अजीत ने कहा कि उसे युवती के किसी पूर्व परिचित शिवांशु द्वारा कुछ तस्वीरें भेजी गई हैं, जिसके कारण वह अब यह रिश्ता नहीं रख सकता। उसने युवती पर पुराने संबंधों की जानकारी छिपाने का भी आरोप लगाया। इस घटना से विचलित सी हुई पूनम ने परिजनों को बताया, परिजनों ने भी युवक के घर जाकर समझाइश देने की कोशिश की लेकिन वह किसी की बात सुनने को तैयार नही था, इसके बाद परिजनों ने माढ़ोताल थाना पहुंचकर शिकायत की, समझौते की कोशिश की गई जब बात नहीं बनी तो युवती की रिपोर्ट पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया।

अतिरिक्त जिला जज के ड्राइवर पर प्राणघातक हमला, तीन बदमाशों ने मारे चाकू

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। हनुमानताल स्थित प्रेम सागर क्षेत्र में अतिरिक्त जिला जज के ड्राइवर रत्नेश बेन पर तीन बदमाशों ने उस वक्त चाकुओं से हमला कर दिया। जब वह अपने घर के बाहर खड़ा रहा। चाकू के हमले में रत्नेश के पैर व जांघ में गंभीर चोटें आई है। जिसे उपचार के लिए शासकीय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर घायल का उपचार किया गया। बताया गया है कि प्रेमसागर हनुमानताल निवासी रत्नेश बेन एडीजे कोर्ट नंबर 33 में वाहन चालक के पद पर पदस्थ है। रत्नेश बीती रात 9 बजे के लगभग अपने घर के बाहर खड़ा रहा, इस दौरान क्षेत्र के तीन बदमाश काले नन्हेट, राकेश व शेरू नन्हेट आए और गाली गलौज करने लगे। रत्नेश ने विरोध किया तो तीनों ने पकड़कर चाकू से हमला कर कर दिया। हमले में रत्नेश के पैर व जांघ में चोट आई। शोर सुनकर पड़ोस में रहने वाले रोहित बेन, उदित वंशकार सहित अन्य लोग पहुंच गए, जिन्होने बीच बचाव किया। इस बीच हमलावर धमकी देते हुए भाग निकले।

हिट एंड रन : कार ने चार युवकों को कुचला, 2 की मौत, 2 घायल, नशे में धुत ड्राइवर गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। शहर में देर रात एक तेज रफ्तार कार ने चौराहे पर खड़े बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी. हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है. घटना धनवंतरी चौक की है, जहां बुधवार रात करीब 12:30 बजे कुछ युवक अपनी बाइक के पास खड़े होकर बातचीत कर रहे थे. इसी दौरान गढ़ा की ओर से तेज रफ्तार में आई सफेद कार ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी. हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया. डॉक्टरों के मुताबिक, घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है. घटना की

सूचना मिलते ही धनवंतरी नगर और गढ़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई. आरोपी चालक को हिरासत में लेकर मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

नशे में धुत था चालक, मौके पर मौजूद लोगों ने चालक को पकड़ लिया. लोगों के अनुसार वह शराब के नशे में इतना धुत था कि ठीक से बात भी नहीं कर पा रहा था. पूछताछ में उसने बताया कि कार कठुंदा निवासी अरविंद चौधरी की है और वह बुकिंग में गाड़ी चलाता है. घटना के समय वह शराब पीकर घर लौट रहा था. पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक गणेश प्रसाद कुमार निवासी अधारताल महाराजपुर अपने बेटे शुभम के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने धनवंतरी नगर आया था. खुशियों के माहौल के बीच वे प्यास लगने पर सड़क किनारे पानी लेने के लिए रुके थे. जैसे ही वे खड़े हुए सामने से आ रही एक एमपी 20 जेडबी 2934 ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।

दीवार से टकराई कार: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर के बाद भी कार नहीं रुकी और करीब 50 मीटर तक आगे बढ़ती रही. इसके बाद वह एक दीवार से टकराकर रुकी. इस दौरान चौराहे पर खड़े चार युवक और उनकी बाइक कार की चपेट में आ गए.

पुलिस अधिकारियों को कैट जबलपुर से अंतरिम राहत, ओवरएज हुए पुलिस अधिकारियों की याचिका

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) जबलपुर खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण मामले में आज सुनवाई करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। अधिकरण ने 1998 बैच के तीन राज्य पुलिस अधिकारियों द्वारा दायर मूल आवेदन पर सुनवाई करते हुए उन्हें अंतरिम राहत प्रदान की है। आवेदकों ने याचिका में कहा था कि 56 वर्ष की आयु सीमा पार करने के बावजूद उनके भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में अभ्यर्थित्व पर विचार किया जाए। उनका आरोप है कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा हर पांच वर्ष में किए जाने वाले अनिवार्य कैडर रिव्यू में गंभीर देरी की गई। याचिका के अनुसार कैडर रिव्यू वर्ष 2018 में होना था, लेकिन इसे 2022 में चार साल की देरी से किया गया। इस देरी के कारण आवेदक निर्धारित आयु सीमा पार कर गए, जिससे उनके वैधानिक अधिकार प्रभावित हुए। आवेदकों का तर्क है कि वे 26-27 वर्षों की सेवा पूरी कर चुके हैं और नियमानुसार आईपीएस में चयन के पात्र हैं, लेकिन प्रशासनिक देरी के चलते उन्हें अवसर नहीं मिल सका। उनका कहना है कि यदि समय पर कैडर रिव्यू होता, तो वे आयु सीमा के भीतर चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकते थे। मामले में आवेदकों की ओर से अधिवक्ता पंकज दुबे और अक्षय खंडेलवाल ने पक्ष रखते हुए दलील दी कि सरकारी तंत्र की देरी का खामियाजा अधिकारियों को नहीं भुगतना चाहिए। उन्होंने इसे प्रशासनिक विफलता बताते हुए न्यायालय से राहत की मांग की। कैट ने प्रथम दृष्टया मामले को आवेदकों के पक्ष में मानते हुए यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं और केंद्र व राज्य सरकार से जवाब तलब किया है।

5 लाख आउटसोर्स-संविदा कर्मचारी को बड़ी राहतहाईकोर्ट ने कहा, लाभ से वंचित रखना तर्कहीन

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। एमपी में करीब साढ़े 4 से 5 लाख संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। जबलपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि इन कर्मचारियों का वर्गीकरण कर उन्हें वेतन और सेवा संबंधी लाभ दिए जाएं। जस्टिस विशाल धगट की बेंच ने अपने फैसले में कहा कि 10 साल से अधिक समय से सेवा दे रहे कर्मचारियों को 7 अक्टूबर 2016 की नीति का लाभ मिलना चाहिए, चाहे वे संविदा पर हों या आउटसोर्स व्यवस्था के तहत काम कर रहे हों। कोर्ट ने साफ कहा कि लंबे समय तक काम लेने के बाद कर्मचारियों को लाभ से वंचित रखना तर्कहीन है और उन्हें आर्थिक न्याय से दूर नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने यह भी माना कि 2016 की नीति संविधान के अनुच्छेद 38, 39 और 43 में बताए गए सामाजिक और आर्थिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप है। अब तक इस नीति का लाभ केवल दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को दिया जा रहा था। इसमें उन्हें कुशल, अर्धकुशल और अकुशल श्रेणियों के आधार पर वेतन मिलता है, लेकिन हाईकोर्ट ने कहा कि इसी आधार पर संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों को भी शामिल किया जाए।

16 साल से सेवाएं दे रहे हैं संविदा कर्मचारी: यह मामला 2009 में संविदा पर नियुक्त उन कर्मचारियों से जुड़ा है, जो करीब 16 साल से लगातार सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें स्थायी कर्मचारियों जैसे लाभ नहीं मिले। संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि वे स्थायी कर्मचारियों के बराबर काम करते हैं, फिर भी उन्हें कम वेतन दिया जाता है।

लालपुर डैम में मगरमच्छ के मुंह में मिला लापता युवक का शव, पत्नी से विवाद के बाद पांच दिन से था गायब

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। शहर के खमरिया थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पांच दिन से लापता युवक का शव लालपुर डैम में संदिग्ध हालत में मिला। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि जब स्थानीय लोगों की नजर शव पर पड़ी, उस समय एक मगरमच्छ उसे खा रहा था। इस दृश्य ने इलाके में सनसनी फैला दी और मौके पर मौजूद लोगों के बीच भय का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार मृतक युवक की पहचान धाना निवासी हिमांशु मोहबिया के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि करीब पांच दिन पहले उसका अपनी पत्नी से किसी घरेलू बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद वह घर से निकल गया था और तब से उसका कोई पता नहीं चल रहा था।

परिजनों ने उसे काफी तलाशा, लेकिन जब कहीं कोई जानकारी नहीं मिली तो खमरिया थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

घटना के दिन स्थानीय लोगों ने लालपुर डैम के पास एक संदिग्ध गतिविधि देखी। जब वे पास पहुंचे तो उन्होंने देखा कि एक मगरमच्छ पानी के किनारे पड़े एक शव को खा रहा है। यह दृश्य देखकर लोग दहशत में आ गए, लेकिन हिम्मत दिखाते हुए उन्होंने मगरमच्छ को भगाने की कोशिश की और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से मगरमच्छ को दूर भगाया गया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच में शव की पहचान हिमांशु मोहबिया के रूप में की गई। एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि डैम में मगरमच्छ एक शव को खा रहा है, जिसके बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर शव को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

फिलहाल युवक की मौत के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। यह अब तक तय नहीं हो सका है कि युवक ने आत्महत्या की या किसी अन्य कारण से उसकी मौत हुई। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि युवक किन परिस्थितियों में डैम तक पहुंचा और उसकी मौत किन हालात में हुई। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है। इस घटना ने क्षेत्र में कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

गोसलपुर में होटल विरासत स्पा सेंटर में चल रहा था देह व्यापार का अड्डा, पुलिस की दबिश में खुलासा

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। गोसलपुर स्थित होटल विरासत स्पा सेंटर में लम्बे समय से चल रहे देह व्यापार के अड्डे पर आज पुलिस ने छापा मारा है। पुलिस को देखते ही स्पा सेंटर में हड़कम्प मच गया, पुलिस ने मौके से संचालक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं होटल में दो महिलाएं भी मिली जिन्होने पूछताछ में बताया कि होटल संचालक सुखदेव पटेल के बुलावे पर आई थी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार होटल विरासत स्पा सेंटर गोसलपुर के संचालक सुखदेव पटेल निवासी ग्राम घुघरी गोसलपुर अपने होटल में बाहर से महिला बुलाकर ग्राहकों को उपलब्ध कराता है। इसके लिए सुखदेव पटेल द्वारा प्रत्येक ग्राहक से 7 सौ रुपए लिए जाते रहे। खबर के बाद पुलिस ने अपना पंटर भेजा, होटल में पहुंचकर पंटर ने सुखदेव पटेल से सौदा किया। जैसे ही महिला आई तभी पुलिस अधिकारियों ने दबिश दे दी। पुलिस को देखते ही होटल में हड़कम्प मचा गया। पुलिस ने

काउंटर पर बैठे होटल संचालक सुखदेव पटेल पटेल उम्र 34 वर्ष निवासी ग्राम घुघरी गोसलपुर को हिरासत में लेकर आगंतुक रजिस्टर की जांच की तो कोई भी इंट्री दर्ज नहीं मिली। इसके अलावा मौके से कंडोम का भरा पैकेट मिला। इसके बाद कमरों की जांच की गई तो कमरा नंबर 02 में एक पुरूष एवं एक महिला मिले जिनसे नाम पता पूछने पर पुरूष व्दारा अपना नाम रामजी पटेल पटेल उम्र 39 वर्ष निवासी रामवार्ड देवरी पनागर एवं महिला व्दारा अपना नाम पता बताया गया। महिला से पूछताछ करने पर महिला व्दारा बताया गया कि संचालक सुखदेव पटेल उसे जबलपुर से बुलाता है तथा प्रत्येक ग्राहक का 500 रूपये देता है एवं बतायी कि एक अन्य महिला को भी होटल संचालक बुलाता है । इसके बाद कमरा नंबर 03 पहुंचे तो वहां पर भी एक महिला मिली। जिसने पूछताछ में बताया कि होटल संचालक सुखदेव पटेल मुझे बुलाता है तथा ग्राहकों को उपलब्ध कराता है एवं प्रत्येक ग्राहक का 500 रूपये मुझे देता है।

जबलपुर, कटनी, सतना होकर चलेगी वलसाड-दुर्गापुर-वलसाड स्पेशल ट्रेन

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। भारतीय रेलवे 2026 के गर्मियों के मौसम में यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए और सुगम तथा सुविधाजनक यात्रा के लिए स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। इसी कड़ी में पश्चिम रेलवे से प्रारम्भ/टर्मिनेट होने वाली स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 09143/09144 वलसाड-दुर्गापुर-वलसाड स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल से होकर अपने गंतव्य को जाएगी।

वलसाड-दुर्गापुर-वलसाड स्पेशल ट्रेन (01-01 ट्रिप): गाड़ी संख्या 09143 वलसाड से दुर्गापुर स्पेशल ट्रेन दिनाँक 25 अप्रैल 2026 को वलसाड स्टेशन से दोपहर 12:50 बजे प्रस्थान कर अगले दिन इटारसी मध्यरात्रि 02:00 बजे, जबलपुर 05:30 बजे, कटनी 07:45 बजे, सतना 09:00 बजे पहुंचकर और मार्ग से होते हुए तीसरे दिन भोर 04:20 बजे दुर्गापुर स्टेशन पहुँचेगी। (01 सेवाएं) इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09144 दुर्गापुर से वलसाड

स्पेशल ट्रेन दिनाँक 27 अप्रैल 2026 को दुर्गापुर स्टेशन से सुबह 07:00 बजे प्रस्थान कर सतना रात 22:00 बजे, कटनी 23:45 बजे, पहुँचकर अगले दिन जबलपुर मध्यरात्रि 01:50 बजे, इटारसी 05:00 बजे पहुंचकर मार्ग से होते हुए शाम 17:30 बजे वलसाड स्टेशन पहुँचेगी। (01 सेवाएं)

कोच कम्पोजीशन:- इस गाड़ी में 04 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 12 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य श्रेणी एवं 01 जनरेटरकार, 01 एसएलआरडी सहित कुल 22 कोच रहेंगे।

ट्रेन के हाल्ट:- रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में भेस्तान, नंदुरबार, भुसावल, खण्डवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, सासाराम, गया, कोडरमा, धनबाद, आसनसोल एवं अण्डाल जंक्शन स्टेशनों पर रुकेगी।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को 30 दिन में चेक पोस्ट शुरू करने के दिए आदेश

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। एमपी में बंद आरटीओ के चेक पोस्ट फिर से चालू होंगे। हाईकोर्ट जस्टिस विशाल मिश्रा की कोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बड़ा फैसला सुनाया है। दलील दी गई है कि भारी वाहनों की जांच और हादसों को रोकने के लिए सड़कों पर चेक पोस्ट जरूरी हैं। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि 30 दिनों के भीतर सभी चेक पोस्ट शुरू करें। मध्यप्रदेश में 30 जून 2024 से आरटीओ चेक पोस्ट बंद कर दिए थे। इसी मामले में रजनीश त्रिपाठी ने याचिका दायर की थी। गौरतलब है कि सीएम मोहन यादव के निर्देश पर

1 जुलाई 2024 को प्रदेश भर के चेक पोस्ट परिवहन विभाग ने बंद कर दिए थे। याचिकाकर्ता राजनीश त्रिपाठी त्रिपाठी ने मप्र परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव आईएएस मनीष सिंह एवं अन्य के विरुद्ध 2025 में लगाई थी। याचिकाकर्ता की ओर से पैरवी अधिवक्ता जुबिन प्रसाद एवं भानु प्रकाश ने एवं शासन की ओर से अंजली मिश्रा ने की। याचिका का हाईकोर्ट ने निराकण करते हुए सरकार को आदेश दिया कि विभागीय अधिकारी वाहनों में ओवरलोडिंग की जांच हेतु अन्य तरीकों को अपनाने के लिए स्वतंत्र हैं, परंतु इस न्यायालय के समक्ष दी गई वचनबद्धताओं का पालन किया जाना अनिवार्य है।

आदेश नहीं माना तो अवमानना माना जाएगा: अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि 30 दिन का समय चेक पोस्ट पुनः स्थापित करने के लिए दिया है। यदि इस आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त होने की तारीख से 30 दिनों के भीतर आदेश का पालन नहीं किया जाता तो याचिकाकर्ता अवमानना याचिका लगाकर इस याचिका को पुनर्जीवित कर सकता है। जस्टिस विशाल मिश्रा ने आदेश में स्पष्ट किया है कि यदि न्यायालय में दिए गए वचन का पालन नहीं किया जाता है, तो न्यायालय द्वारा पारित आदेश की अवहेलना मानी जाएगी। अधिकारियों द्वारा पूर्व में चेक पोस्ट बंद करने के संबंध में जारी आदेश को न्यायालय ने 4 सितंबर 2018 के आदेश से स्थगित कर दिया था।

कोर्ट ने कहा, वाहनों की जांच की जाए: विभागीय अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत जवाबों को कोर्ट ने संतोषजनक नहीं माना। न्यायालय ने कहा कि यह कृत्य इस न्यायालय द्वारा पारित आदेश और प्रतिवादियों द्वारा दी गई।

आरपीएफ ने रेलवे स्टेशन पर शातिर अपराधी को पकड़ा, कई अपराध हैं दर्ज

मीडिया ऑडीटर, जबलपुर (निप्र)। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट जबलपुर द्वारा ने एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है. पकड़े गये शातिर अपराधी के खिलाफ कई अपराध पंजीबद्ध दर्ज हैं. गहन चेकिंग के दौरान जबलपुर रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ टीम ने मंगलवार 21 अप्रैल को एक संदिग्ध युवक को रंगे हाथों पकड़ा, जो यात्रियों का मोबाइल चोरी करने का प्रयास कर रहा था. पकड़े गए आरोपी की पहचान सोहेल पिता मोहम्मद अलीम, उम्र 22 वर्ष, निवासी बड़ा मदारछल्ला, थाना हनुमानताल, जिला जबलपुर (म.प्र.) के रूप में हुई है, जो TOPB (Theft of Passenger Belongings) श्रेणी का अपराधी है. आरपीएफ टीम द्वारा तत्परता दिखाते हुए आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया. आरोपी के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करते हुए उसे जीआरपी जबलपुर को सुपुर्द किया गया, जहां प्रकरण क्रमांक 70/2026 के तहत बीएनएसएस की धाराएं 170, 126, 135 के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध किया गया है. इस सराहनीय कार्यवाही में आरपीएफ पोस्ट जबलपुर के कांस्टेबल सूर्यानाथ एवं कांस्टेबल हरिकेश की विशेष भूमिका रही.

जबलपुर रेल मंडल द्वारा आरपीएफ की इस तत्पर एवं प्रभावी कार्रवाई की सराहना की गई है. रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि यात्रा के दौरान अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सजग रहें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल या जीआरपी को दें।

भारत अब छठी अर्थव्यवस्था

संपादकीय

भारत के लिए यह दुखद और बहुत बड़ी खबर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की अप्रैल, 2026 की रपट के मुताबिक, अब भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं है, बल्कि वह लुढ़क कर छठे स्थान पर आ गई है। जापान 4.38 ट्रिलियन डॉलर के साथ चौथी और ब्रिटेन 4.26 ट्रिलियन डॉलर के साथ 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हो गई हैं। भारत की जीडीपी 4.15-4.17 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है। यह गिरावट डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा 'रुपए' के अवमूल्यन के कारण है। करीब 95 रुपए की कीमत एक डॉलर के बराबर तक पहुंच गई है। अलबत्ता हमारी अर्थव्यवस्था आज भी विश्व में सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्था है और जीडीपी की विकास-दर भी 6.5-7 फीसदी के बीच है। विकास-दर विश्व की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। ईरान युद्ध और उसके बाद तमाम अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास-दर बरकरार रही है। यदि 'रुपए' की स्थिति में सुधार होता है, तो हम 2027 में 5वें स्थान पर लौट सकते हैं, लेकिन 2030 से पहले हम चौथा स्थान दोबारा हासिल नहीं कर सकेंगे। हालांकि कुछ वैश्विक रेटिंग एजेंसियों और विशेषज्ञों के आकलन हैं कि यदि डॉलर के मुकाबले 'रुपए' की कीमत मजबूत होती है, तो भारत 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। यही प्रधानमंत्री मोदी का 'स्वप्निल दावा' रहा है कि भारत बहुत जल्द तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाला है, लेकिन भारत आज भी दो स्तरों पर पिछड़ा हुआ है। एक, भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में अब भी काफी पीछे है, लेकिन दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश में शेष 1 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी बढ़ाना कोई 'टेढ़ी खीर' नहीं है। दूसरे, भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बजाय छठे स्थान तक खिसक गया है। हमारे पीछे फ्रांस भी चुनौती पेश कर रहा है। बहरहाल भारतीय रिजर्व बैंक का भी मानना है चूंकि अब आयातित वस्तुएं-कच्चा तेल, गैस, इलेक्ट्रॉनिक्स, पेट्रो केमिकल उत्पाद आदि-महंगी पड़ेंगी, नतीजतन देश में महंगाई बढ़ सकती है। हालांकि मुद्रास्फीति 4.6 फीसदी, राजकोषीय घाटा 4-5 फीसदी का अनुमान लगाया जा रहा है। भारत पर कर्ज जीडीपी का करीब 55.6 फीसदी है। बहरहाल अर्थव्यवस्था में गिरावट के प्रभाव कई किस्म के होंगे। विदेशी और बड़े निवेशकों की धारणा पर अल्पकालिक असर जरूर होगा, लिहाजा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में अस्थिरता आ सकती है। अर्थव्यवस्था के 5 ट्रिलियन डॉलर के दावों पर सवाल उठ सकते हैं और घरेलू स्तर पर धारणा में नकारात्मक बदलाव देखा जा सकता है। भारत ईरान के होर्मुज के रास्ते करीब 90 फीसदी एलपीजी, 40 फीसदी कच्चा तेल और 50 फीसदी एलएनजी आयात करता है।

पुस्तक संस्कृति का क्षरण: आने वाले संकट की आहट

योगेश कुमार गोयल

(विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस (23 अप्रैल) पर विशेष)

पुस्तकों की महत्ता और इनसे अर्जित ज्ञान के संबंध में सदैव कहा जाता रहा है कि ज्ञान कभी बेकार नहीं होता और पुस्तकें विभिन्न संस्कृतियों, पहचानों और भाषाओं के माध्यम से अपनी विशिष्टताओं को प्रकट करते हुए एक कहानी और एक सामान्य विरासत के आसपास लोगों को एक साथ लाती हैं लेकिन यह चिंताजनक है कि पाठकों में पुस्तकें पढ़ने की आदत निरंतर कम होती जा रही है। लोगों को पुस्तकें पढ़ने, कॉपीराइट कानूनों तथा अन्य उपायों को समझने के लिए प्रोत्साहित करने, लेखकों और पुस्तकों को वैश्विक सम्मान देने तथा पढ़ने की कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को यूनेस्को तथा दुनियाभर के अन्य संबंधित संगठनों द्वारा 'विश्व पुस्तक दिवस' मनाया जाता है। 'विश्व पुस्तक तथा कॉपीराइट दिवस' का औपचारिक शुभारंभ 'यूनेस्को' द्वारा 23 अप्रैल 1995 को किया गया था।

यह चिंता का विषय है कि आधुनिकता के दौर में बच्चों के साथ-साथ बड़ों का लगाव भी पुस्तकों के प्रति कम हुआ है। मोबाइल और कम्प्यूटर के जमाने में अब बच्चे हों या बड़े, अधिकांश इन्हीं पर अपना ज्यादातर समय बिताने लगे हैं लेकिन अधिकांश विद्वानों का स्पष्ट मत है कि इंटरनेट या विभिन्न संचार माध्यमों से मिलने वाली जानकारियों को हमारे मस्तिष्क को चुपचाप ग्रहण करना पड़ता है, जो दिमाग की खुद की कल्पनाशीलता को कुंद कर देते हैं जबकि पुस्तकें पढ़ने के लिए ध्यान, एकाग्रता और मेहनत की आवश्यकता होती है, जिससे विचारों और भावनाओं के लिए नई रोशनी और प्रोत्साहन मिलता है। इसलिए जरूरी है कि टीवी या सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों से चिपके रहने के बजाय पुस्तकों की दुनिया को जीवन का अभिन्न अंग बनाया जाए ताकि रचनात्मकता का उपयोग करते हुए क्षितिज का विस्तार करने में पुस्तकों की शक्ति का बेहतर उपयोग किया जा सके। बाल साहित्य और ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों के माध्यम से बच्चों के मानसिक विकास को बढ़ावा देने और साहित्य के प्रति उनमें आजीवन प्रेम उत्पन्न करने का भी प्रयास किया जाए। जिस समय हमारे आसपास कोई नहीं होता या हम अकेले अथवा उदास हैं, परेशान हैं, ऐसे समय में पुस्तकें ही हमारी सच्ची दोस्त बनकर हमें सहारा देती हैं। हमारे दिलोदिमाग में उमड़ते सवालों का जवाब पाने के लिए पुस्तकों से बेहतर और कोई जरिया नहीं हो सकता।

सभी भारतीय भाषाओं में पुस्तकों को बढ़ावा देने और पढ़ने की संस्कृति विकसित करने की एक पहल के रूप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा प्रतिवर्ष दिल्ली में भव्य पुस्तक मेले 'विश्व पुस्तक मेला' का आयोजन किया जाता है। इस प्रकार के आयोजन लोगों में किताबें पढ़ने की रूचि विकसित करने के साथ-साथ कलम और मुद्रित दुनिया की ताकत को दोहराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हालांकि हर साल इतने भव्य और विशाल पुस्तक मेले के सफल आयोजन के बावजूद विशेषकर हिन्दी भाषी पाठकों में पुस्तकें पढ़ने की आदत कम हो रही है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि साल में एक बार आयोजित होने वाले विश्व पुस्तक मेले के अलावा भी ऐसे क्या प्रयास किए जाएं, जिससे लोगों की दिलचस्पी पुस्तकों के प्रति बढ़े और हिन्दी पुस्तकें ज्यादा से ज्यादा पाठकों तक पहुंच सकें? आज के दौर में लोगों की रूचि पुस्तकों में कम होती जा रही है, ऐसे में पुस्तक मेलों के आयोजन के माध्यम से तो लोगों में पुस्तकों के प्रति आकर्षण बढ़ाने के प्रयास किया जाना जरूरी है ही, साथ ही स्कूलों और स्थानीय पुस्तकालयों में भी अच्छी पुस्तकें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। खासकर बच्चों के समग्र विकास के लिए तो उन्हें प्रेरणादायक बाल साहित्य, दिलचस्प नवीनतम साहित्य तथा अन्य महत्वपूर्ण पुस्तकों की ओर आकर्षित करना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि ऐसी पुस्तकों को पढ़ने से उनका मानसिक और सामाजिक विकास तीव्रता से होता है।

किसी भी स्कूल का पुस्तकालय बच्चों में पुस्तकों के प्रति प्रेम विकसित करने और उन्हें दुनिया के बारे में अधिक जानने में भी मदद करता है। यही कारण है कि केवल पाठ्य पुस्तकों को ही बच्चों की समझ को विकसित करने के लिए पर्याप्त नहीं माना जाता।

उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर पर सियासी उबाल

उत्तर प्रदेश में आगामी वर्ष में विधानसभा चुनाव का विगुल बज जायेगा । ऐसे में विपक्ष के लोग वर्तमान सरकार की हर छोटी से छोटी समस्या को भी मुद्दा बनाने से नहीं चूक रही। अभी हाल ही में नोयडा हुए मजदूर आंदोलन से सरकार उबर पाई थी कि अब दूसरा मुद्दा स्मार्ट मीटर योजना को लेकर आ गया। हालांकि प्रदेश सरकार की मंशा पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, जो अब आम जनता—खासकर महिलाओं—के गुस्से का कारण बनती जा रही है। हाल के दिनों में कई जिलों से महिलाओं के सड़कों पर उतरकर विरोध करने की खबरें सामने आई हैं, जो इस नीति के जमीनी असर को उजागर करती हैं। वहीं फिलहाल सरकार ने इस स्मार्ट मीटर पर रोक लगा दी है।

सौरभ वार्ष्णेय

प्रदेश में अभी जैसे तैसे कर गैस सिलेंडर की समस्या स उपजे मजदूर आंदोलन से निजात पाई थी कि और ऊपर से अब उत्तर प्रदेश में बढ़ते बिल और भरोसे का संकट के दौर से गुजर रहीं महिलाओं की स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं की सबसे बड़ी शिकायत बिजली बिल में अचानक वृद्धि देखी जिसके चलते आगरा और मथुरा जैसे इलाकों में महिलाओं ने आरोप लगाया कि पहले की तुलना में बिल कई गुना बढ़ गए हैं, जबकि खपत में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। इसके साथ ही प्रीपेड सिस्टम ने समस्या को और बढ़ा दिया है—रिचार्ज खत्म होते ही बिजली कट जाती है। कई मामलों में बिल जमा करने के बाद भी आपूर्ति बहाल होने में देरी की शिकायतें सामने आई हैं। इस समस्या से जूझ रही गांवों और कस्बों में महिलाओं ने सीधे बिजली घरों का घेराव किया, प्रदर्शन किए और अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। आगरा में तो हालात ऐसे बने कि अधिकारियों को कार्यालय छोड़कर जाना पड़ा। यह विरोध सिर्फ आर्थिक बोझ का नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी पर पडने वाले असर का भी है—रसोई, बच्चों की पढ़ाई और घर के काम सीधे बिजली पर निर्भर हैं, इसलिए महिलाएं इस मुद्दे को लेकर सबसे ज्यादा सक्रिय दिख रही हैं। स्मार्ट मीटर से जुड़ी तकनीकी समस्याएं भी विवाद का बड़ा कारण हैं। कहीं सोलर उपभोक्ताओं को गलत बिल मिल रहे हैं, तो कहीं कनेक्टिविटी और रीडिंग में गड़बड़ी की शिकायतें हैं।इसके अलावा, बिना सहमति पुराने मीटर हटाने और नए मीटर लगाने के आरोपों ने जनता के भरोसे को और कमजोर किया है। लगातार विरोध और शिकायतों के बाद सरकार को कदम पीछे खींचने पड़े। स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगा दी गई। जांच के लिए तकनीकी समिति बनाई गई उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए अस्थायी नियम लागू किए गए। यह कदम इस बात का संकेत है कि नीति और उसके क्रियान्वयन के बीच गंभीर खाई है।

स्मार्ट मीटर का उद्देश्य पारदर्शिता और ऊर्जा प्रबंधन को बेहतर बनाना था, लेकिन जमीनी स्तर पर यह तकनीकी सुधार सामाजिक असंतोष में बदल गया है। महिलाओं का उग्र विरोध यह बताता है कि जब किसी नीति का असर सीधे घर-परिवार की बुनियादी जरूरतों पर पड़ता है, तो वह केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक मुद्दा बन जाता है। स्मार्ट मीटर योजना अपने उद्देश्य में गलत नहीं, लेकिन इसकी जल्दबाजी, तकनीकी खामियां और संवाद की कमी ने इसे विवाद का केंद्र बना दिया है। यदि सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही और उपभोक्ता हितों को प्राथमिकता नहीं देती, तो यह स्मार्ट पहल जन असंतोष का स्थायी कारण बन सकती है। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटरों की स्थापना पर सरकार द्वारा लगाई गई रोक ने एक नई बहस को जन्म दे दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब ऊर्जा क्षेत्र में तकनीकी सुधारों को बढ़ावा देने की जरूरत बार-बार रेखांकित की जा रही है। सवाल यह है कि क्या यह कदम उपभोक्ताओं के हित में है या फिर सुधारों की गति को धीमा करने वाला? स्मार्ट मीटर को बिजली वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए एक अहम साधन माना जाता है। ये मीटर वास्तविक समय में खपत का डेटा देते हैं, बिलिंग में त्रुटियों को कम करते हैं और चोरी पर लगाम लगाने में मददगार होते हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं में भी इनका विशेष स्थान है। ऐसे में उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य का इस परियोजना पर ब्रेक लगाना स्वाभाविक रूप से ध्यान आकर्षित करता है। हालांकि, इस फैसले के पीछे उपभोक्ताओं की बढ़ती शिकायतें और असंतोष भी एक बड़ा कारण हैं। कई जगहों से यह आरोप सामने आए कि स्मार्ट मीटर के कारण बिजली बिलों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। ग्रामीण और निम्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं में यह धारणा बनी कि यह तकनीक उनके खिलाफ काम कर रही है। विरोध प्रदर्शन और राजनीतिक दबाव ने भी सरकार को पुनर्विचार के लिए मजबूर किया।यहां सरकार का कदम अल्पकालिक राहत देने वाला तो दिखता है, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से कुछ सवाल खड़े करता है। क्या समस्या तकनीक में है या उसके क्रियान्वयन में? क्या उपभोक्ताओं को पर्याप्त जानकारी और विश्वास में लिए बिना इस तरह के बदलाव थोपे गए? यदि हां, तो समाधान रोक नहीं, बल्कि सुधार और संवाद होना चाहिए। ऊर्जा क्षेत्र में सुधारों को स्थगित करना किसी भी राज्य के लिए आदर्श स्थिति नहीं हो सकती। स्मार्ट मीटर जैसी तकनीकें भविष्य की जरूरत हैं, लेकिन उनका सफल क्रियान्वयन पारदर्शिता, उपभोक्ता जागरूकता और जवाबदेही पर निर्भर करता है। उत्तर प्रदेश सरकार के इस निर्णय को एक चेतावनी संकेत के रूप में देखा जाना चाहिए—तकनीकी बदलावों को लागू करते समय जनविश्वास सबसे महत्वपूर्ण है। अगर सरकार इस अवसर का उपयोग खामियों को दूर करने और बेहतर प्रणाली विकसित करने में करती है, तो यह रोक एक सकारात्मक मोड़ भी साबित हो सकती है। वहीं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने यूपी बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। यूपी में स्मार्ट मीटर पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि उपभोक्ता संतुष्टि सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

आखिर कब तक होगा अमेरिका और ईरान में सीजफायर?

संजय गोस्वामी

आज कल न्यूज़ में ईरान - अमेरिका इजराइल के युद्ध का बार बार दिखाना बोर कर रहा है अभी देखा तो कभी ऐ देखने को मिलता है कि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। कभी दोनों में सीजफयार होगा और ट्रम्प और ईरान के विदेश मंत्री पाकिस्तान में शान्ति वार्ता करेंगे, जबकी अमेरिका ने ईरान को आर्थिक नुकसान हेतु स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ पर नेवल ब्लॉकेड लागू कर दिया है, जो दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है।फिर तुरंत ही ऐ समाचार मिलता है कि अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से टेलीफोन पर बातचीत की। सोशल मीडिया पोस्ट में श्री मोदी ने बताया कि दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की और हॉर्मुज जल-डमरू-मध्य को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर बल दिया।मोदीजी ने कहा कि बातचीत के दौरान दोनों देशों ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों ने सभी क्षेत्रों में व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता व्यंक्तक एक और शान्ति वार्ता पाकिस्तान में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान की 16 अप्रैल को इस्लामाबाद में शान्ति वार्ता होंगी उधर इजराइल लेबनान में हिज़्बुल्लाह पर अटैक कर रहा है जो एक लेबनानी शिया इस्लामी राजनीतिक दल है, जिसका एक सक्रिय अर्धसैनिक विंग भी है; लेबनान सरकार ने मार्च 2026 से इस पर प्रतिबंध लगा दिया है।लेकिन हिज़्बुल्लाह पहले लेबनान में चुनाव में भाग भी लिया और वहाँ के प्रधानमंत्री को भी मारा है जो लोग इस संघठन के बारे में नहीं जानते उसके इतिहास पर नजर डाले तो वो लेबनान में अमेरिका के एक बस को बम से उड़ाया और मरकावा नरसंहार 2006 के बाद 2026, में 100 इजरायली टैंक मारने का हिज्बुल्लाह ने किया दावा ज़ सैन्य विश्लेषक दोनों पक्षों के शस्त्रागारों के बीच भारी आर्थिक असमानता की ओर भी इशारा करते हैं और वो इजराइल से बात नहीं करेगा उसने कई आतंकी गतिविधियों को खाड़ी देश में आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया है यहाँ तक की 2017 में आईएसआईएस के साथ मुठभेड़ भी हुई हिज़्बुल्लाह ने पूर्वी अलेप्पो आक्रमण (जनवरी-अप्रैल 2017) और फरवरी 2017 में के विरुद्ध अल-बाब की लड़ाई में भाग लिया। हिज़्बुल्लाह ने आईएसआईएस दारा आक्रमण (फरवरी-जून 2017) में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें उसे कई हताहतों का सामना करना पड़ा सीरियाई गृहयुद्ध के दौरान, हिज़्बुल्लाह के दुष्प्रचार ने सीरियाई विपक्ष को पूरी तरह से तकफ़ीरी बताकर, असद शासन के विरोधियों को अमानवीय दिखाने का प्रयास किया है मुख्य रूप से इस्लामिक स्टेट ऑफ़ इराक़ एंड सीरिया को दर्शाता है, जो एक उग्रवादी जिहादी समूह है और जिसे एक आतंकवादी संगठन के रूप में जाना जाता है।अतः इजराइल और बेरूत में चल रहें युद्ध अब सीजफ़ायर की ओर जा रहा है जिसे अमेरिका ने लेबनान के प्रधानमंत्री व इजराइल के प्रधानमंत्री के बीच शान्ति वार्ता की पेशकश की है आतंकवाद आज सभी देशों के लिए खतरा है जिससे वहाँ निर्दोष लोगों की हत्या होती है आखिर कब तक चलेगा अमेरिका और ईरान में सीजफायर जो लेबनान युद्ध के कारण सफ़ल नहीं हो पा रहा है और इस युद्ध से हर चीज के दाम 20% से अधिक तक बढ़ गए हैं जो बेबजह जनता को नुकसान उठाना पड़ रहा है अब लगता है ऐ युद्ध ना अमेरिका चाह रहा है और ना ही ईरान इसी मुद्दे पर भारत और अमेरिका के प्रधानमंत्री के बीच 40 मिनट की वार्ता हुई। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

(कहो तो कह दूं) योग वियोग छोड़ बाबाजी बेहतरीन धंधा चला

पहले योग सिखाया। प्राण का नया आयाम बताया। समझाया कि लोग गलत तरीके से सांस लेते हैं। आक्सीजन छोड़ते हैं और कार्बन डाइऑक्साइड खेंच लेते हैं। फिर भी जिंदा हैं तो भगवत कृपा है। लोगों ने मान लिया चलो कोई बात नहीं। फिर कहा नाखून रगड़ो बाल काले हो जाएंगे। लोगों ने खूब नाखून रगड़े। उंगलियां झुलस कर काली हो गईं चिंगारियां तक निकलीं मगर बालों की सफेदी का बाल भी बांका नहीं हुआ।

चैतन्य भट्ट

फिर बाबाजी को बेल रूपी पौधे की पत्तियों से प्यार हो गया। एड्स, कैंसर, सर्दी जुकाम कुछ भी हो, बाबाजी कहिन गिलोय का जूस पियो। लोगों को बदहजमी हुई पेट दुखा मगर बीमारी जहां की तहां रही। ऐसा ही सुलूक सब्जियों की फुआ सास लौकी के साथ हुआ। वैवाहिक संबंधों को तलाक की हद तक पहुंचाने वाली लौकी का बाबाजी ने ऐसा महिमा मंडन किया कि हर दूसरा आदमी लौकी ढूंढता नज़र आया। एकाध तो इस चक्कर में इहलोक से उहलोक चला गया।

यह सब प्रपंच बाबा ने प्राकृतिक चिकित्सा के नाम पर फैलाए। फिर अचानक दिव्य ज्ञान उतरा। बाबाजी प्राकृतिक चिकित्सा से छलांग लगाकर आयुर्वेद पर टूट पड़े। सोना,चांदी,पीतल,एल्युमिनियम,पारा,लोहा ,लंगड़..पता नहीं कौन-कौन से तत्व घुसेड़ कर च्यवनप्राश बनाया और बाजार में उतार दिया। मंजन नाम का उत्पाद भी नहीं बचा। जड़ी बूटी, मसाले,लौंग, इलायची, कत्था, चूना, पिपरमेंट, मीठा पत्ता सब कुछ ऐसे समेटा कि पान की दुकानें बंद होने लगीं। ऐसा महिमा मंडन किया कि लगा, नाश्ते में यही मंजन एक दो चम्मच फांक लिया जाए, पेट भरा लगने लगेगा। व्यवसाय ऐसा फला-फूला कि मैगी,वैगी,घी,धतूरा,साबुन तेल शेम्पू ...... धीरे से आंख मारते हुए सब चिपका दिए।

बाबा ने सीधी राजनीति की राह भी पकड़ी थी। यहां मुकाबला भोले भाले लोगों से नहीं घाघ नेताओं से था सो बात जमी नहीं। समझ आ गया, प्रत्यक्ष राजनीति बस की नहीं। पीछे रहकर काम करना होगा। किस्मत अच्छी थी। विरोधी सत्ता से बाहर हो गए और जिन्हें अपना समझते थे, अंदर आ गए। सुना है सबसे ऊंचे संवैधानिक पद के लिए भी पांसा फेंका। सत्ता समझदार निकली। झांसे में नहीं आई।

धर्म और धंधे के जोड़ ने बड़ा रंग जमाया। योग - वियोग सब भूलकर आजकल बाबा मज़े से धंधा चला रहे हैं। कायदा कानून की कोई हैसियत नहीं समझते सो जब तब अदालती डांट खाते रहते हैं। रवैया नहीं बदला तो हो सकता है दंड भी मिल जाए।

खैर अपन को क्या। अभी अभी गुजरे विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर बस यही कहना है कि चिकित्सा विज्ञान पर भरोसा करें। इधर उधर ना झांको

चतुर खिलाड़ी—नीतीश कुमार ने फिर साबित कर दिया कि वे राजनीति के कितने चतुर खिलाड़ी हैं। बिहार में भाजपा का नया मुख्यमंत्री बना भी और नहीं भी। चचा जाते-जाते भाजपा और संघ को ऐसा रिटर्न गिफ्ट दे गए हैं, जिसकी टीस नागपुर तक महसूस की जा रही है। अगर इस दर्द की गहराई नापनी हो, तो बिहार के कांटी भाजपाइयों के चेहरों पर पसरी कड़वाहट और तेजस्वी यादव की मुस्कुराहट देखिए। क्या गजब हुआ है इसकी चर्चा संघ के स्वयंसेवक और भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता बंद कमरों में कोहनी मार-मार कर एक-दूसरे से कर रहे हैं।

विडंबना देखिए, संघ अपनी स्थापना का 101वां साल मना रहा है। बिहार में पहली बार भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार का सपना साकार हुआ है, लेकिन जो मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठा वह न कभी शाखा गया न उसने कभी नमस्ते सदा वत्सले का पाठ किया। न ही वह कभी भाजपा का प्राथमिक सदस्य रहा।

नीतीश चचा जाते-जाते ऐसा दुल्हा थमा गए जो बारात की विचारधारा से ही मेल नहीं खाता! तेजस्वी यादव का तंज एकदम सटीक है, आखिर मुख्यमंत्री जी भी तो उसी समाजवादी पाठशाला के ग्रेजुएट हैं जिसके हेडमास्टर लालू प्रसाद यादव हैं। संघ और भाजपा के चाणक्य देखते रह गए और बाजी वह मार ले गया जिसने कभी भगवा झंडा उठाने की ट्रेनिंग ही नहीं ली।

उस पर विडंबना यह कि यह सारा खेला बी.एल. संतोष जैसे कड़क संगठन मंत्री और शिवराज सिंह चौहान जैसे दिग्गजों की मौजूदगी में हुआ। नितीश चचा शीर्ष भाजपा नेतृत्व को आश्चर्यचकित करने और प्रदेशों में सशक्त नेतृत्व न उभरने देने की कमजोरी का फायदा उठाने में सफल रहे। अनुशासन की बात करने वाली पार्टी आज एक ऐसे नेतृत्व को ढोने पर मजबूर है, जिसकी जड़ें कहीं और हैं।

नीतीश कुमार ने साबित कर दिया कि वह राजनीति के वो इंजीनियर हैं जो पुल भले ही कच्चा बनाएँ, लेकिन विरोधियों के अरमानों पर पानी फेरने वाला बांध एकदम पक्का बनाते हैं।

बिहार के खांटी भाजपाइयों के लिए स्थिति अब वैसी ही है दिल के अरमां आंसुओं में बह गए, हम वफ़ा करके भी तन्हा रह गए।

उमा जी का दर्द—प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती का दर्द आए दिन झलकने लगता है, लंबे अरसे से राजनीति के मैदान में चर्चित फायर ब्रांड नेता के रूप में पहचानी जाने वाली उमा भारती को अब कोई पूछ नहीं रहा सो बीच-बीच में कुछ ना कुछ ऐसा करती है जिससे वे चर्चा में आ जाए अब देखो ना पिछले दिनों जब शहर में अतिक्रमण हटाया जा रहा था तो वे जलेबी और पोहा बेचने वाले ठेले पर पहुंच गई उनका कहना था कि इनको हटाने के पहले उनकी व्यवस्था की जाए, अरे भाई हर शहर में अतिक्रमण फैला हुआ है किस किस को जगह देगी सरकार। आपके चक्कर में शिवराज सिंह जी ने शराब के अहाते बंद कर दिए थे अब हर शराब की दुकान के सामने की सड़क खुला अहाता बन गई है खुलेआम सड़कों पर लोग दारु पी रहे हैं और कोई कुछ नहीं कर पा रहा।उमा जी ये बीजेपी है आप तो बहुत अच्छे से जानती होगी यहां कब कौन हाशिए पर चला जाए और कब कौन मुख्यपृष्ठ पर अपना चेहरा चमका ले जाए कहना बहुत मुश्किल है फिर भी कोशिश करते रहिए हो सकता है कभी दिन ग्रह नक्षत्र साथ दे जाएं

सुपर हिट ऑफ द वीक—आपके पति पागल कैसे हो गए डाक्टर ने श्रीमान जी को चेक करते हुए श्रीमती जी से पूछा दरअसल वो जनरल बोगी में यात्रा करते थे तो इससे क्या रिश्ता है पागलपन का डाक्टर ने पूछा पास बैठे यात्री बोलते थे थोड़ा खिसको, थोड़ा खिसको थोड़ा खिसको उसके बाद से ही वे परमानेंट खिसक गए श्रीमती जी ने जवाब दिया

ज्योत्सना महंत की अध्यक्षता में 'दिशा' बैठक सम्पन्न, योजनाओं की प्रगति पर हुई विस्तृत चर्चा

ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़े हुए बिजली बिलों की हो जांच, स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करें : सांसद

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में विकास कार्यों को गति देने, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की एक महत्वपूर्ण और व्यापक बैठक जिला पंचायत कार्यालय कोरिया के मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई। यह बैठक न केवल योजनाओं की समीक्षा तक सीमित रही, बल्कि जिले के समग्र विकास के लिए एक ठोस रोडमैप तैयार करने का माध्यम भी बनी। बैठक की अध्यक्षता कोरबा लोकसभा सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत ने की। इस दौरान एमसीबी कलेक्टर डी. राहुल वेंकट, कोरिया कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, एमसीबी पुलिस अधीक्षक रतना सिंह, चिरमिरी महापौर रामनरेश राय, मनेंद्रगढ़ नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष प्रतिमा यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि और सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की गहन समीक्षा करते हुए सांसद महंत ने स्पष्ट रूप से कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे और

हर कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा हो।

सड़क सुरक्षा पर सख्ती, ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के निर्देश: बैठक की शुरुआत करते हुए सांसद ज्योत्सना महंत ने जिले की सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बढ़ते सड़क हादसों को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। विशेष रूप से उन्होंने हेलमेट पहनने की अनिवार्यता को सख्ती से लागू करने, राष्ट्रीय राजमार्गों पर रेडियम संकेतकों की व्यवस्था करने तथा शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर एल्कोमीटर के माध्यम से नियमित जांच कर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल नियम बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों में जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है। इसके लिए व्यापक जन जागरूकता अभियान चलाने की बात कही गई, जिसमें स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों को विशेष रूप से शामिल करने पर जोर दिया गया। पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया कि वह नियमित रूप से अभियान चलाकर ट्रैफिक नियमों के पालन को सुनिश्चित करे।

जल संरक्षण से आत्मनिर्भरता की ओर, 'मोर गांव-मोर पानी' अभियान की सराहना: बैठक में जल संरक्षण को लेकर किए जा रहे कार्यों की विशेष सराहना की गई। मनरेगा के तहत जल संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश पहले से दिए गए थे, जिनका सकारात्मक परिणाम अब सामने आ रहा है। 'मोर गांव-मोर पानी' अभियान के तहत किए गए कार्यों का जीआईएस आधारित प्रस्तुतीकरण भी बैठक में प्रस्तुत किया गया, जिसे सांसद ने सराहा। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप जिले में जल संरचनाओं का निर्माण और उनका सुदृढ़ीकरण हुआ है, जिससे न केवल जल संकट में कमी आई है बल्कि कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। तालाब, कुएं, जलाशय और स्टॉप डैम जैसे निर्माण कार्यों ने गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सांसद महंत ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन कार्यों की गुणवत्ता और स्थायित्व पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि आने वाले वर्षों में भी इनका लाभ मिलता रहे। उन्होंने यह भी कहा कि जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप दिया जाए, जिससे आमजन भी इसमें सक्रिय भागीदारी निभा सके।

महिला सशक्तिकरण में नई उड़ान, हजारों महिलाएं बनी आत्मनिर्भर: बैठक में महिला सशक्तिकरण और आजीविका से जुड़े कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। सामाजिक समावेशन के तहत हजारों परिवारों को स्व-सहायता समूहों से जोड़ा गया है, जिससे लगभग 95 प्रतिशत संतृप्ति हासिल की गई है। जिले में 3245 से अधिक स्व-सहायता समूह सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं, जिनसे जुड़ी महिलाएं आज आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। 'लखपति दीदी' जैसी पहल ने महिलाओं की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके तहत महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जा रहा है और उन्हें प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। चक्रीय निधि, सामुदायिक निवेश कोष और आपदा राहत कोष के माध्यम से करोड़ों रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान कर समूहों को सशक्त बनाया गया है। इससे न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सामाजिक स्थिति में भी सकारात्मक बदलाव आया है। सांसद ने इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण ही वास्तविक विकास की कुंजी है और इसे और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है।

कृषि और उद्यमिता में नवाचार, किसानों को मिल रहा सशक्त मंच: कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में जिले में किए जा रहे नवाचारों की भी बैठक में विस्तार से चर्चा की गई। कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे किसानों की लागत कम हो और उत्पादन में वृद्धि हो सके। इसके साथ ही कृषिसखी और पशुसखी जैसे नवाचारों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को कृषि और पशुपालन से जोड़कर उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। वहीं सिद्ध बाबा महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, मनेंद्रगढ़ जैसे प्रयासों ने किसानों को उत्पादन से लेकर विपणन तक सशक्त बनाया है। इससे किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है और बिचौलियों पर निर्भरता कम हो रही है। एकीकृत कृषि केंद्रों और आजीविका सेवा केंद्रों के माध्यम से किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और संसाधनों से जोड़ा जा रहा है। इससे न केवल कृषि उत्पादन में वृद्धि हो रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। सांसद महंत ने निर्देश दिए कि इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचे और उन्हें आधुनिक खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा में तेजी, बुनियादी सुविधाओं में दिखा बदलाव: बैठक में विभिन्न आधारभूत योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत जिले में 79 प्रतिशत आवास पूर्ण हो चुके हैं। शेष आवासों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

जल जीवन मिशन से बदली तस्वीर, ग्राम धनौली में हर घर तक पहुंचा शुद्ध पानी, आसान हुआ जीवन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ग्राम पंचायत बरौता के अंतर्गत आने वाला ग्राम धनौली आज विकास और बदलाव की एक प्रेरक मिसाल बनकर उभरा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा संचालित जल जीवन मिशन ने इस गांव में न केवल पानी की समस्या का समाधान किया है, बल्कि पूरे जनजीवन को नई दिशा देने का कार्य किया है। एक समय था जब ग्राम धनौली के ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। गांव की महिलाएं और बच्चे रोजाना दूर-दराज के कुओं, तालाबों और हैंडपंपों से पानी लाने के लिए घंटों मेहनत करते थे। खासकर गर्मी के मौसम में यह संकट और भी गंभीर हो जाता था, जिससे न केवल समय और श्रम की हानि होती थी, बल्कि जीवन भी प्रभावित होता था।

लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'हर घर नल से जल' योजना के सफल क्रियान्वयन ने गांव के हर घर तक शुद्ध और सुरक्षित पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित कर दी है। अब ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता, जिससे उनके दैनिक जीवन में सहजता और सुविधा आई है। इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रभाव महिलाओं के जीवन पर पड़ा है। जो महिलाएं पहले घंटों पानी लाने में व्यस्त रहती थीं, अब वे अपने परिवार, बच्चों और अन्य कार्यों पर अधिक समय दे पा रही हैं। इससे उनकी दिनचर्या आसान हुई है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार आया है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी इस योजना ने उल्लेखनीय परिवर्तन लाया है। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से जलजनित बीमारियों में कमी आई है, जिससे ग्रामीणों का स्वास्थ्य बेहतर हुआ है। साथ ही बच्चों की पढ़ाई पर भी सकारात्मक असर पड़ा है, क्योंकि अब उन्हें पानी लाने के लिए समय नहीं देना पड़ता। ग्राम धनौली के लोगों ने इस ऐतिहासिक बदलाव के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जल जीवन मिशन ने हमारे गांव की तस्वीर बदल दी है। अब हमें स्वच्छ पानी के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ता। यह योजना हमारे गांव और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित और समृद्ध बना रही है।

बिहान योजना से बदली जिंदगी : गृहिणी रीता बनीं आत्मनिर्भर, अब हर साल कमा रहीं लाखों रुपए

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ के एमसीबी जिले के खडगवां ब्लॉक अंतर्गत ग्राम कोडागी की रहने वाली रीता की कहानी आज ग्रामीण महिलाओं के लिए एक प्रेरणादायक मिसाल बन चुकी है। कभी एक साधारण गृहिणी के रूप में सीमित संसाधनों में जीवन यापन करने वाली रीता ने आज आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है।

रीता के परिवार की आर्थिक स्थिति पहले सामान्य थी। उनके पति राजेंद्र खेती-किसानी और मजदूरी कर किसी तरह परिवार का खर्च चलाते थे। परिवार की मासिक आय लगभग 40 से 50 हजार रुपए के बीच थी, लेकिन बढ़ती जरूरतों और जिम्मेदारियों के सामने यह आय अपर्याप्त साबित हो रही थी। ऐसे में परिवार को कई बार आर्थिक तंगी का

सामना करना पड़ता था। रीता के जीवन में बदलाव की शुरुआत उस समय हुई जब उन्होंने 'अनमोल स्व सहायता समूह' की एक बैठक में भाग लिया। इस बैठक का आयोजन 'कल्पना महिला संकुल संगठन बरदर' के अंतर्गत किया गया था, जहां उन्हें बिहान योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। यही वह क्षण था, जिसने रीता के जीवन की दिशा बदल दी।

रीता ने समूह से जुड़कर सक्रिय रूप से कार्य करना शुरू किया और सामुदायिक निवेश कोष (ष्ट्ढ्ढस्न) के माध्यम से ऋण प्राप्त किया। इस राशि का उपयोग उन्होंने अपने गांव में एक छोटा सा दुकान खोलने के लिए किया। उनका यह छोटा कदम ही आगे चलकर उनके जीवन का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ । धीरे-धीरे रीता की दुकान चल निकली और उनकी आमदनी में लगातार वृद्धि होने लगी। आज रीता सालाना 1 लाख से 2 लाख रुपए तक की आय अर्जित कर रही हैं। इस आय ने न केवल उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी भी बनाया है।

रीता की सफलता का श्रेय उनकी मेहनत, लगन और स्व-सहायता समूह की बैठकों में नियमित भागीदारी को जाता है। साथ ही बिहान योजना के तहत समय-समय पर मिले मार्गदर्शन और सहयोग ने भी उनकी सफलता की राह आसान बनाई। आज रीता अपने गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। वे न केवल स्वयं सशक्त हुई हैं, बल्कि अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उनकी कहानी यह संदेश देती है कि सही मार्गदर्शन, अवसर और दृढ़ संकल्प के साथ कोई भी महिला अपने जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी बुंदेली सड़क : हाथ लगाते ही उखड़ रहा डामर, PMGSY के नियमों की उड़ी धज्जियां

मीडिया ऑडीटर, मेरो (निप्र)। विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच ग्राम पंचायत मेरो से भ्रष्टाचार की एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने सरकारी सिस्टम और दावों की पोल खोलकर रख दी है। यहाँ प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बुंदेली सड़क का निर्माण तो कराया गया, लेकिन इसकी गुणवत्ता इतनी घटिया है कि सड़क बनने के साथ ही मलबे में तब्दील होने लगी है। हैरानी की बात यह है कि जिस सड़क को सालों-साल तक ग्रामीणों का बोझ सहना था, वह हाथ के मामूली स्पर्श से किसी कागज की तरह उखड़ रही है।

हमारे संवाददाता ने जब मौके पर पहुंचकर सड़क का मुआयना किया, तो हकीकत बेहद चौंकाने वाली निकली। डामर की परत इतनी कमजोर है कि उसे बिना किसी औजार के, सिर्फ हाथ की उंगलियों से उखाड़ा जा सकता है। देखते ही देखते सड़क की पूरी परत पपड़ी बनकर हाथ में आ जाती है, जो साफ तौर पर निर्माण कार्य में बड़े पैमाने पर हुई धांधली को उजागर करती है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के सख्त नियमों के मुताबिक, सड़क निर्माण के दौरान डामर और गिट्टी के मिश्रण का एक तय तापमान और अनुपात होना अनिवार्य है, लेकिन यहाँ मानकों को पूरी तरह नजरअंदाज कर सिर्फ खानापूर्ति की गई है।

सड़क की यह बदहाली ठेकेदार और संबंधित विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत की ओर सीधा इशारा कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने लंबे समय के इंतजार के बाद इस सड़क की उम्मीद जगाई थी, लेकिन भ्रष्टाचार के खेल ने उनके सपनों पर पानी फेर दिया है। जिस तरह बिना किसी मेहनत के सड़क उजड़ रही है, उससे साफ है कि पहली बारिश में ही यह पूरी तरह गायब हो जाएगी। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या उच्च अधिकारी इस गंभीर लापरवाही का संज्ञान लेकर दोषियों पर कार्रवाई करेंगे या जनता के टैक्स के पैसे की इसी तरह बंदरबांट होती रहेगी। मेरो पंचायत की यह सड़क आज प्रशासन से जवाब और इंसाफ मांग रही है।

शिवपुरी के माधव चौक पर झंडा विवाद थमा, प्रशासन की मौजूदगी में दोबारा फहराया केसरिया ध्वज; जुटा सकल सनातन समाज

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। माधव चौक चौराहे पर केसरिया ध्वज को लेकर उपजा विवाद बुधवार शाम समाप्त हो गया। प्रशासन की मौजूदगी में सकल सनातन समाज के लोग बड़ी संख्या में एकत्रित हुए और दोबारा केसरिया झंडा फहराया। ध्वज फहराते ही नारेबाजी हुई, जिसके बाद क्षेत्र में शांति स्थापित हो गई। इससे पहले समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा था। भरत शर्मा ने बताया कि माधव चौक पर वर्षों से केसरिया ध्वज लगा हुआ था, जिसे हिंदू समाज की पहचान माना जाता है। आरोप है कि आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष चांद खान और उनके साथियों के ज्ञापन के बाद प्रशासन ने झंडा हटवा दिया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की बड़ी सफलता : जिले में तीन जगहों पर बाल विवाह विफल, प्रशासन की तत्परता से बचा भविष्य

18 और 21 वर्ष से कम उम्र में विवाह पूर्णत: गैरकानूनी, शामिल सभी लोगों पर होगी सख्त कार्रवाई

एमसीबी/22 अप्रैल 2026/ जिले में बाल विवाह जैसी कुप्रथा के खिलाफ प्रशासन ने एक बार फिर सख्त और त्वरित कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर प्राप्त सूचना के आधार पर ग्राम कोडांगी (थाना खड़गवां), ग्राम पंचायत केलुआ एवं ग्राम पंचायत दुगला थाना केल्हारी में होने वाले बाल विवाह को समय रहते रोक दिया गया।

सूचना मिलते ही कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में जिला बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा तत्काल संयुक्त टीम का गठन किया गया। ब्लॉक परियोजना अधिकारी के नेतृत्व में गठित इस टीम में सेक्टर सुपरवाइजर, जिला बाल संरक्षण इकाई, चाइल्ड हेल्पलाइन, थाना केल्हारी एवं थाना खड़गवां का

पुलिस बल, विधिक सेवा प्राधिकरण बैकुंठपुर के सदस्य, सरपंच और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शामिल रहे।

टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों स्थानों पर पहुंचकर बाल विवाह की प्रक्रिया को रुकवाया और संबंधित परिवारों को समझाइश दी। अधिकारियों ने मौके पर ही बाल विवाह के दुष्परिणामों और इसके कानूनी पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक और कानूनी अपराध है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत जानकारी देते हुए बताया गया कि इस प्रकार के विवाह में शामिल किसी भी व्यक्ति जैसे पंडित, पुरोहित, टेंट संचालक, रिश्तेदार या अन्य सहयोगी को 2 वर्ष तक की सजा और 1 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। साथ ही यह भी बताया गया कि विवाह की वैधानिक आयु बालक के लिए 21 वर्ष और बालिका के लिए 18 वर्ष निर्धारित की गई है।

कार्रवाई के दौरान संबंधित प्रकरणों में पंचनामा एवं प्रतिवेदन भी तैयार किया गया। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे बाल विवाह जैसी कुप्रथा को रोकने में सक्रिय भूमिका निभाएं और ऐसी किसी भी सूचना को तत्काल टोल फ्री नंबर 1098 पर साझा करें। इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई ने न केवल तीन बाल विवाहों को रोककर नाबालिगों के भविष्य को सुरक्षित किया है, बल्कि समाज में एक सशक्त संदेश भी दिया है कि कानून के विरुद्ध किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दमोह के डायल 112 हीरोज : जानलेवा हमले में घायल महिला को समय पर पहुँचाया अस्पताल, बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। दमोह जिले के थाना तारादेही क्षेत्र में डायल-112 जवानों की त्वरित प्रतिक्रिया और संवेदनशील कार्यवाही से जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल एक महिला को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार दिलाया गया। इस त्वरित सहायता से पीड़िता को समय रहते चिकित्सा सुविधा मिल सकी। 21 अप्रैल को थाना तारादेही अंतर्गत ग्राम सनाई में एक महिला पर उसके पति द्वारा हमला किए जाने की सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल में प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही डायल-112 एफआरव्ही-19 को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

सूचना प्राप्त होने पर दमोह डायल-112 कंट्रोल रूम में तैनात आरक्षक रामनरेश द्वारा तत्परता से कार्यवाही करते हुए एफआरव्ही को तुरंत मौके पर भेजा गया। घटनास्थल पर पहुँचकर आरक्षक श्री देवकरण एवं पायलट श्री नीरज वर्मा ने बिना समय गंवाए घायल महिला को तत्काल तेंदूखेड़ा अस्पताल पहुँचाया, जहाँ उसका उपचार जारी है। डायल-112 जवानों की समयबद्ध कार्रवाई से गंभीर रूप से घायल महिला को शीघ्र चिकित्सा सहायता मिल सकी, जो उसके जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रही। डायल 112 हीरोज श्रृंखला के अंतर्गत यह घटना दर्शाती है कि मध्यप्रदेश पुलिस की डायल-112 सेवा घरेलू हिंसा, आपराधिक घटनाओं एवं अन्य आपात परिस्थितियों में त्वरित सहायता पहुँचाकर जनजीवन की सुरक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है।

ट्रांसफार्मर को ठंडा रखने लगाए गए कूलर रायसेन में 42 डिग्री पहुंचा दिन का तापमान; बेतवा समेत अन्य नदियां सूखने की कगार पर

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जहां दिन का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण बेतवा सहित अन्य नदियों का जलस्तर काफी कम हो गया है। भीषण गर्मी के चलते ट्रांसफार्मरों को ओवरलोडिंग व फाल्ट से बचाने के लिए बिजली कंपनी ने सब स्टेशन पर कूलर लगाए हैं, वहीं शहर में बुधवार सुबह 11 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा पसर रहा है। गर्मी के कारण बिजली आपूर्ति बनाए रखने में भी चुनौती आ रही है। जिला मुख्यालय स्थित बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने सब स्टेशन पर रखे ट्रांसफार्मरों को ठंडा रखने के लिए उनके सामने कूलर लगाए हैं। यह कदम ट्रांसफार्मरों को ओवरलोडिंग से होने वाले फाल्ट से बचाने के लिए उठाया गया है, ताकि भीषण गर्मी के बीच शहर की बिजली आपूर्ति बाधित न हो।

नदियों का जलस्तर घटा, दोपहर में सड़कों पर सन्नाटा: भीषण गर्मी का असर जिले की नदियों पर भी साफ दिख रहा है। बेतवा सहित आसपास बहने वाली अन्य नदियों का जलस्तर काफी कम हो गया है। कई जगहों पर नदी-नाले सूखने की कगार पर पहुंच गए हैं, जिससे जल संकट की आशंका बढ़ गई है। वहीं, शहर में सुबह 9 बजे से ही तेज धूप निकलनी शुरू हो जाती है, जिसके चलते सुबह 11 बजे के बाद शहर की सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है और लोग घरों में रहने को मजबूर हैं।

दिन में 42 तो रात में 28 डिग्री पहुंच रहा तापमान: सोमवार को आसमान में बादल छाने से अधिकतम तापमान 41 डिग्री पर आ गया था, जिससे लोगों को कुछ राहत मिली थी। हालांकि, मंगलवार को मौसम साफ होते ही फिर धूप तेज हो गई। बुधवार दोपहर 12 बजे तक दिन का तापमान 38 डिग्री पर पहुंच गया था, जिसके दोपहर 2 बजे के बाद 42 डिग्री पार करने की संभावना है। रात में भी न्यूनतम तापमान 27 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है, जिससे रात के समय भी गर्मी से कोई खास राहत नहीं मिल रही है और कूलर-पंखे की हवा भी बेअसर साबित हो रही है।

मंदसौर साइबर सेल ने 6.19 लाख रुपए लौटाए तीन माह में 9 ऑनलाइन फ्रॉड मामलों में की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मन्दसौर जिले में बढ़ते ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों के बीच साइबर सेल ने बेहतर कार्य करते हुए पीड़ितों को बड़ी राहत दिलाई है। विगत तीन माह में लगातार की गई कार्रवाई के परिणामस्वरूप साइबर सेल ने 9 प्रकरणों में कुल 6,19,477 रुपए की ठगी गई राशि वापस पीड़ितों के खातों में जमा करवाई है। ऑनलाइन फ्रॉड के मामलों में पीड़ितों द्वारा शिकायत दर्ज कराते ही टीम ने एनसीआरपी (National Cyber Crime Reporting Portal) के माध्यम से संबंधित ट्रांजेक्शन को तुरंत ब्लॉक कराया।

फर्जी खातों को किया फ्रिज: साइबर सेल ने ठगी की रकम जिन खातों में ट्रांसफर हुई थी, उनकी जानकारी जुटाकर उन सभी खातों को तत्काल ब्लॉक/फ्रिज करवाया। ट्रांजेक्शन को होल्ड कर राशि को सुरक्षित किया गया और बाद में न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत पीड़ितों को वापस दिलाई गई।

बढ़ते साइबर अपराध पर पुलिस सतर्क: वर्तमान समय में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बढ़ते उपयोग के साथ साइबर ठगी के मामलों में भी तेजी आई है। आमजन लुभावने ऑफर, फर्जी लिंक और ऑनलाइन ट्रेडिंग के झांसे में आकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा रहे हैं। इसे देखते हुए पुलिस ने ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए विशेष अभियान चलाया।

मंदसौर पुलिस ने नागरिकों से साइबर ठगी से बचने के लिए सावधानी बरतने की अपील की है – अनजान व्यक्ति द्वारा भेजे गए लिंक पर क्लिक न करें। ऑनलाइन ट्रेडिंग या लुभावने ऑफर के झांसे में न आएं।OTP, PIN, पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी साझा न करें। किसी भी फ्रॉड की स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या httpsÑ//cyber-crime.gov.in पर शिकायत दर्ज करें। पुलिस का कहना है कि साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। सतर्क रहकर ही अपनी मेहनत की कमाई को सुरक्षित रखा जा सकता है।

पृथ्वी दिवस : कम बारिश, घट रही हरियाली, शहरों में बढ़ रहा प्रदूषण

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। पिछले कई सालों में बारिश का उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। पानी को जमीन में उतारने के लिए आज भी घरों में हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं लग सके। जंगलों की अंधाधुंध कटाई और घटती हरियाली के बीच शहरों में बढ़ते प्रदूषण से भी पर्यावरण को नुकसान होता चला आ रहा है। पिछले 10 साल की बात की जाए तो 6 साल ऐसे रहे, जब जिले में सामान्य से कम बारिश हुई। शहर में केवल 5 फीसदी घरों में ही हार्वेस्टिंग सिस्टम लग सके। ऐसे में यह संकट बढ़ता जा रहा है। सामान्य से भी कम बारिश सबसे कम बारिशः वर्ष 2017 में जिले में सूखे जैसी स्थिति हो गई थी। इस साल बारिश का आंकड़ा 900 मिमी से भी नीचे गिर गया था। इससे हालत खराब हो गई थी। 10 सालों पर नजर डालें तो 6 साल ऐसे रहे, जब बारिश का आंकड़ा सामान्य से भी कम रहा। बारिश का पैटर्नः जिले में बारिश का पैटर्न पिछले कुछ सालों में बदला है। जून से सितंबर तक जब मानसून आता है, तब जिले की लगभग 85 से 90 फीसदी बारिश इसी दौरान होती है। अक्टूबर से मई तक बहुत कम बारिश होती है। कुछ सालों में बहुत ज्यादा बारिश भी हुई। 2019 और 2022 ऐसे ही साल रहे। 2017 और 2018 में बारिश बहुत कम हुई।

लेडी नायब तहसीलदार का नाम लिखकर पटवारी ने किया सुसाइड दो दिन पहले हुई थी छोटे भाई की शादी, मां बोली- मैडम परेशान करती थी

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में एक पटवारी ने घर में साफे से फांसी लगा ली। 15 दिन पहले सोशल मीडिया पर डाले पत्र में उसने महिला नायब तहसीलदार पर प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। उसके घर से एक और लेटर मिला है। हालांकि, पुलिस ने खुलासा नहीं किया है कि घर में मिले पत्र में क्या लिखा है?

मामला रतलाम के आलोट में मंगलवार का है। यहां रहने वाला रविशंकर खराड़ी खजूरी सोलंकी में पटवारी था। पिता की हार्ट अटैक से मौत होने के बाद रविशंकर को दिसंबर 2023 में अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। रविवार को ही रविशंकर के छोटे भाई सिद्धार्थ की शादी हुई थी।

इस मामले में नायब तहसीलदार सविता राठौर को दो बार मोबाइल पर कॉल किया। उन्होंने रिसीव नहीं किया। पक्ष जानने के लिए व्हाट्सएप पर मैसेज भी किया। यहां भी कोई रिप्लाई नहीं दिया।

रविशंकर खराड़ी, मृतक

भाई की शादी के रिसेप्शन में भी नहीं पहुंचा: रविशंकर के भाई सिद्धार्थ की शादी के कार्यक्रम बीते 3 दिन से पैतृक गांव बड़ी सरवन में चल रहे थे। 19 अप्रैल को बारात राजस्थान के बांसवाड़ा के पास तारवाखाटी गई थी। शादी के बाद 20 अप्रैल को बारात गांव लौटने के बजाय रतलाम स्थित उनके घर पहुंची। उसी शाम बरबड़ हनुमान मंदिर परिसर के जानकी मंडप में रिसेप्शन रखा गया था।

सिद्धार्थ खराड़ी ने बताया- रविशंकर बांसवाड़ा से बारात रवाना होने से पहले ही रतलाम के लिए निकल गया था। जब हम लोग घर पहुंचे तो उसका मोबाइल बंद मिला। हमने सोचा कि वह कहीं गया होगा। जल्द ही वापस आ जाएगा। इसके बाद सभी लोग रिसेप्शन की तैयारियों में जुट गए। कॉल करने पर रविशंकर का मोबाइल बंद आ रहा था। वह रिसेप्शन में भी नहीं पहुंचा। देर रात करीब 2 बजे वह घर लौटा और तीसरी मंजिल पर बने कमरे में जाकर सो गया।

पत्नी ने दरवाजा खोला तो फंदे से लटका मिला: सिद्धार्थ ने कहा- मंगलवार सुबह करीब 10 बजे मैं उसके कमरे में गया। वह बिस्तर पर लेटा था। चाय-नाश्ते के बारे में पूछने पर उसने कहा कि थोड़ी देर में नीचे आ जाएगा। दोपहर करीब 3 बजे दोबारा कमरे पर जाकर दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला।

इसके बाद भाभी रीना उसे उठाने के लिए कमरे में गईं। धक्का देकर दरवाजा खोला तो वह जोर से चिल्लाईं। चीख सुनकर परिवार के लोग पहुंचे तो देखा कि रविशंकर पंखे से फंदा लगाकर लटका था। सूचना मिलने पर पुलिस जांच के लिए पहुंची। रविशंकर के कमरे में तलाशी ली तो एक लेटर मिला। इसमें क्या लिखा है, इसका खुलासा नहीं किया गया है।

छोटे भाई सिद्धार्थ खराड़ी ने जांच कर रहे एसआई से लेटर मांगा ताकि परिवार के पास सबूत रहे। लेकिन एसआई कुछ बताने के लिए तैयार नहीं हुए। बाइक लेकर जाने लगे तो सिद्धार्थ ने दौड़ते हुए रोक लिया। हंगामे की स्थिति बनी तो वहां मौजूद थाना प्रभारी सत्येंद्र रघुवंशी आगे आए। रघुवंशी ने सिद्धार्थ को समझाया। जांच की बात कही।

सोशल मीडिया पर 15 दिन पुराना लेटर वायरल: रविशंकर द्वारा लिखा गया एक अन्य लेटर भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ये 15 दिन पुराना बताया जा रहा है।

नर्मदापुरम में मरीज को ला रही एंबुलेंस में लगी आग शॉर्ट सर्किट से हादसा, ड्राइवर ने बचाई जान, धूं-धूं कर जली गाड़ी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम-हरदा स्टेट हाईवे पर सांवलखेड़ा के पास बुधवार सुबह करीब 10:15 बजे मरीज को नर्मदापुरम ला रही एक एंबुलेंस में अचानक आग लग गई। स्टाफ की सतर्कता से ऑक्सीजन सपोर्ट वाले मरीज और ऑक्सीजन सिलेंडर को तुरंत बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। डायल 112 की पुलिस टीम ने पास के पेट्रोल पंप से फायर एक्सटिंग्विशर लाकर आग पर काबू पा लिया है और मरीज को दूसरी 108 एंबुलेंस से सुरक्षित अस्पताल पहुंचा दिया गया है।

ड्राइवर बोला- चलते-चलते धुआं उठा, मरीज को तुरंत निकाला: प्राइवेट एंबुलेंस के ड्राइवर इसरार ने बताया, 'महिला पेशेंट जिन्हें सांस की समस्या थी इसलिए उन्हें ऑक्सीजन पर सिवनी मालवा से

नर्मदापुरम ले जा रहे थे। एंबुलेंस में चलते-चलते अचानक से धुआं उठा। तत्काल मैंने एंबुलेंस को एक तरफ खड़े किया और तुरंत महिला मरीज को बाहर निकाल लिया। ऑक्सीजन सिलेंडर भी तुरंत निकाला। ताकि मरीज की तबियत न बिगड़ जाएं।' समय रहते उठाए गए इस कदम से मरीज की जान बच गई।

रास्ते से गुजर रही थीं BJP जिलाध्यक्ष, CMHO को किया फोन: हादसे के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला भी सिवनी मालवा से नर्मदापुरम आ रही थीं। रास्ते में एंबुलेंस को जलता देख उन्होंने तत्काल सीएमएचओ नर्मदापुरम और पुलिस को घटना की सूचना दी। इसके कुछ देर बाद ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई और ऑक्सीजन सपोर्ट वाली मरीज को लेकर सुरक्षित नर्मदापुरम के लिए रवाना हो गई।

पेट्रोल पंप से एक्सटिंग्विशर लाकर पुलिस ने बुझाई आग: डोलरिया थाना प्रभारी प्रवीण चौहान ने बताया कि सूचना मिलते ही डायल 112 और थाना स्टाफ मौके पर पहुंचा। उनके अनुसार मरीज को गाड़ी से उतारा जा चुका था और पुलिस ने तत्काल आग पर काबू पाया। थाना देहात के प्रधान आरक्षक सुशील मिश्रा, आरक्षक अजय गुप्ता और हंड्रेड पायलट सुधीर उईके ने पास के पेट्रोल पंप से फायर एक्सटिंग्विशर लाकर एंबुलेंस में लगी आग बुझाई। थाना प्रभारी के अनुसार, आग लगने की प्रथम दृष्टया वजह शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी मानी जा रही है।

नर्मदापुरम में अनियंत्रित ट्रैक्टर बाइक पर चढ़ा चक्कर रोड चौराहे पर हादसा; भीड़ लगने पर जाम के हालात बने

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के चक्कर रोड चौराहे पर मंगलवार को एक ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खड़ी बाइक पर चढ़ गया। हादसे में बाइक ट्रैक्टर के नीचे दब गई। घटना के दौरान चालक ने तुरंत ब्रेक लगा दिए, जिससे ट्रैक्टर ट्रॉली आगे नहीं बढ़ पाई और बड़ी दुर्घटना होने से बचाव हो गया।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में लोगों की भीड़ जुटने से चौराहे पर जाम की स्थिति बन गई। ट्रैक्टर के अनियंत्रित तरीके से चलने पर बाइक मालिक और अन्य लोगों ने चालक को रोक लिया। बाइक क्षतिग्रस्त होने पर दोनों पक्षों के बीच बहस भी हुई।

मशक्कत के बाद निकाली गई बाइक, 112 पहुंची मौके पर: काफी प्रयास के बाद ट्रैक्टर के नीचे से बाइक को बाहर निकाला गया। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। कुछ देर बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया, जिसके चलते थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई।

खंडवा-इंदौर हाईवे पर चलती पिकअप में आग शॉर्ट सर्किट से हादसा; ड्राइवर ने कूदकर बचाई

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा-इंदौर नेशनल हाईवे पर बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब चलती पिकअप वाहन में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते पूरी गाड़ी धूं-धूं कर जलकर खाक हो गई। हालांकि, ड्राइवर की सूझबूझ से उसकी जान बच गई। घटना सुबह करीब 10:30 बजे देशगांव क्षेत्र के भोजाखेड़ी गांव के बाहर बायपास पर हुई। जानकारी के मुताबिक, पिकअप वाहन खंडवा से इंदौर की ओर जा रहा था। वाहन में सवार लोग इंदौर से फल-फ्रूट लाने जा रहे थे। इसी दौरान चलते वाहन से अचानक धुआं उठने लगा। स्थिति को भांपते हुए ड्राइवर

शाहुख पता फरीद खान निवासी ग्राम बड़ियांतुला ने तुरंत गाड़ी रोकी और दरवाजा खोलकर कूद गया। कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप ले लिया और आधे घंटे के भीतर पूरी पिकअप जलकर राख हो गई। पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही देशगांव चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। चौकी प्रभारी इंद्रजीत सिंह चौहान ने बताया कि फायर रेस्क्यू वाहन भी मौके पर पहुंचा था।

खरगोन में यात्री बस मकान में घुसी 20 घायलः 3 गंभीर; स्टीयरिंग या ब्रेक फेल होने की आशंका

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में बुधवार दोपहर एक निजी यात्री बस अनियंत्रित होकर एक मकान में जा घुसी। यह हादसा इंदौर रोड पर ओझरा में दोपहर करीब 1:15 बजे हुआ। इस दुर्घटना में करीब 20 यात्री घायल हो गए। जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। चढ़ाववाला ट्रेवल्स की यह बस (एमपी 13जेडई 6699) खरगोन से दोपहर 12:30 बजे इंदौर के लिए रवाना हुई थी। ओझरा पहुंचते ही बस का स्टीयरिंग अचानक फेल हो गया, जिसके बाद वह सड़क से उतरकर एक मकान के अगले हिस्से की चद्दर तोड़ते हुए अंदर घुस गई। गनीमत रही कि हादसे के वक्त मकान में कोई

मौजूद नहीं था।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचित किया और बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। कांच और सीटों के बीच फंसे कुछ घायलों को काफी मशक्कत के बाद निकाला जा सका। तीन एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को कसरावद अस्पताल भेजा गया।

घर में घुसकर मारपीट करने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार रंजिश में दरवाजे पर लात मारकर घुसे थे धारदार हथियार से हमला कर किया था घायल

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की विनायका थाना पुलिस ने घर में घुसकर मारपीट करने वाले 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाने लाकर आरोपियों से पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद मंगलवार को पुलिस ने सभी आरोपियों को बंडा न्यायालय में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने आरोपियों को उपजेल बंडा भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार, 26 फरवरी को फरियादी बाबू लोधी निवासी डिलौना ने शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि मेरा और मेरे परिवार के आनंद लोधी और उसके परिवार से पुरानी बुराई को लेकर विवाद चल रहा है। 25 फरवरी की रात करीब 8 बजे मैं अपने घर पर आराम कर रहा था। तभी बाहर से चिल्लाने की आवाज आई। कोई गालीगलौज कर रहा था।

कुछ देर बाद आनंद लोधी, देव सिंह लोधी, धरम लोधी तीनों ने मेरे घर के दरवाजे को लात मारी और खोलकर अंदर घुस गए। आनंद, धरमू ने मेरी कॉलर पकड़ी और धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। देव लोधी ने धारदार हथियार से

हमला किया जो पैर में लगा। विवाद होते देख मेरा भतीजा जस्सू बचाने के लिए आया।

तभी आनंद के परिजन हाकम लोधी, मुकुंदी लोधी और पहार सिंह लोधी भी घर में घुस आए। उन्होंने भतीजे जस्सू के साथ लात-घूंसों से मारपीट की। घटना देख आसपास के लोग आए और बीचबचाव कर मामला शांत कराया। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया। घटनाक्रम के बाद से आरोपी फरार चल रहे थे।

कोर्ट पेश कर आरोपियों को जेल भेजा: पुलिस टीम वारदात के बाद से आरोपियों की तलाश कर रही थी। इसी बीच मंगलवार को आरोपियों की लोकेशन गांव के पास मिली। लोकेशन मिलते ही पुलिस टीम ने दबिश दी और आरोपियों को धरदबोचा। कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी आनंद उर्फ अनंत लोधी, हाकम लोधी, धर्मराज लोधी, मुकुंदी लोधी, पहाड़ सिंह लोधी और देवी सिंह लोधी सभी निवासी ग्राम डिलौना को गिरफ्तार किया है। विनायका थाना प्रभारी भूपेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि मारपीट के मामले में फरार चल रहे 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। न्यायालय में पेश कर आरोपियों को जेल भेजा गया है।

दमोह में पृथ्वी दिवस पर छात्रों ने किया बीजारोपण परिक्षेत्र अधिकारी बोले-जंगल में फेंके फलों-सब्जी के बीज

मीडिया ऑडीटर, दमोह (निप्र)। दमोह के मडियादो वन परिक्षेत्र के उदयपुरा प्लांटेशन में बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस के मौके पर पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मडियादो, कलकुआ और उदयपुरा स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

'आज बोया, कल उगाया' थीम पर बीजारोपण: कार्यक्रम 'आज बोया, कल उगाया' थीम पर आधारित रहा। इसके तहत नर्सरी तैयार करने और पर्यावरण बचाने के लिए छात्रों ने बीज बोए और पौधे लगाने का संकल्प लिया।

अधिकारियों ने समझाया पर्यावरण का महत्व: वन परिक्षेत्र अधिकारी जेपी मिश्रा और सहायक परिक्षेत्र अधिकारी प्रमोद शुक्ला ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पेड़ लगाने, उनकी देखभाल करने, वन्य जीवों की रक्षा और पानी बचाने की जरूरत पर जोर दिया।

बीज फेंकने से भी बच सकता है पर्यावरण: अधिकारियों ने पन्ना टाइगर रिजर्व में पाए जाने वाले जानवरों, पक्षियों और केन नदी के महत्व के बारे में भी बताया। इस दौरान छात्रों के लिए सवाल-जवाब सत्र रखा गया।

संघर्षरत पूर्व चैंपियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल मुकाबले में निरंतरता की तलाश में हैं

मुंबई, एजेंसी। संघर्षरत पूर्व चैंपियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स गुरुवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग में आमने-सामने होने पर अपने पूर्व कप्तानों रोहित शर्मा और एमएस धोनी की वापसी का इंतजार करते हुए निरंतरता बनाए रखने की कोशिश करेंगी।

रोहित (हैमस्ट्रिंग) और धोनी (पिंडली में खिंचाव) वापसी की राह पर हैं, लेकिन यह देखना बाकी है कि क्या इनमें से कोई भी ऐतिहासिक रूप से प्रतिष्ठित आईपीएल मुकाबले के लिए वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर उतरेगा।

रोहित मंगलवार को वैकल्पिक सत्र के दौरान प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे, जबकि धोनी, जो अभी तक इस आईपीएल में नहीं खेले हैं, ने अपने अभ्यास सत्र में भाग लिया, जिससे इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में संभावित वापसी का संकेत मिला।

सीएसके ने टूर्नामेंट की शुरुआत फॉर्म और सही संयोजन की तलाश में की, जैसा कि अधिकांश टीमें करती हैं, और जैसे ही वे लय में आने लगे, स्थानीय प्रतिभा आयुष म्हात्रे, जिन्होंने 201 रन बनाए थे, को हैमस्ट्रिंग में चोट लगने से उन्हें बड़ा झटका लगा।

एक बार फिर, सीएसके को बल्लेबाजी में कमी को पूरा करने के लिए नए सिरे से रणनीति बनानी पड़ रही है, जिसमें गुजरात के विकेटकीपर-बल्लेबाज उर्विल पटेल भी एक विकल्प के रूप में शामिल हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों मिली निराशाजनक हार के बाद सीएसके अपने बल्लेबाजों से सामूहिक रूप से अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेगी। उस मैच में 130 रनों का पीछा करते हुए सीएसके के पास 90 गेंदों में आठ विकेट शेष थे और उन्हें आसानी से मैच जीत लेना चाहिए था, लेकिन मध्य क्रम के बल्लेबाजों की पहल की कमी ने एसआरएच को मैच का रुख अपने पक्ष में मोड़ने का मौका दे दिया।

हालांकि सरफराज ने 147 रन बनाकर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन महत्वपूर्ण बल्लेबाजी भूमिका निभाने के बावजूद वह अभी तक अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में सफल नहीं हो पाए हैं, खासकर तब जब कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने सिर्फ 82 रन बनाकर निराशाजनक प्रदर्शन किया है।

इसी तरह संजू सैमसन (192 रन) पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा, क्योंकि भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए उसी मैदान पर वापसी कर रहे हैं।

'वह शतकों को आसान बना देते हैं' : पुजारा ने अभिषेक शर्मा के बारे में कहा

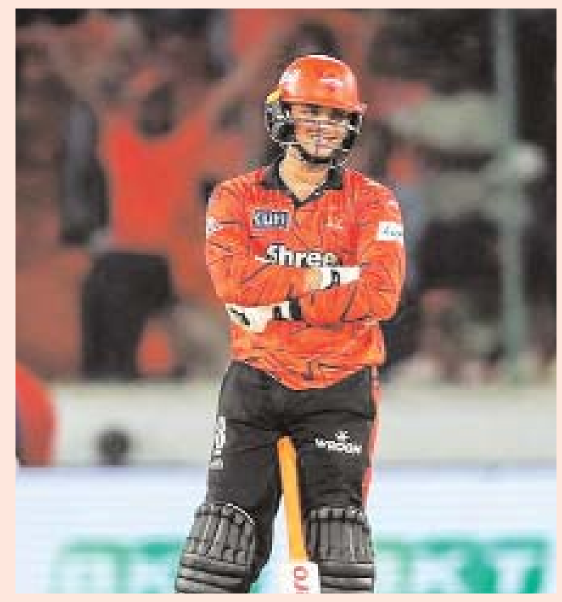

मुंबई, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ अभिषेक शर्मा के शानदार शतक की प्रशंसा करते हुए, मौजूदा आईपीएल सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए मैच जिताने वाले प्रदर्शन के बाद युवा सलामी बल्लेबाज को 'विशेष प्रतिभा' बताया है।

जियोहॉटस्टार के 'चैंपियंस वाली कमेंट्री' कार्यक्रम में बोलते हुए, पुजारा ने अभिषेक की उनके दूसरे आईपीएल शतक और इस सीजन के पहले शतक के लिए प्रशंसा की, और इस बात पर ध्यान दिया कि बाएं हाथ का यह बल्लेबाज कितनी आसानी से बड़े स्कोर बनाता है।

पुजारा ने कहा, 'अभिषेक शर्मा ने शानदार पारी खेलते हुए अपना दूसरा आईपीएल शतक और इस सीजन का पहला शतक बनाया। उनके लिए शतक बनाना बहुत आसान लगता है। '

उन्होंने एसआरएच में अभिषेक के योगदान के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा कि उनके प्रदर्शन से अक्सर टीम को जीत मिलती है क्योंकि वह शीर्ष क्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'एसआरएच के लिए उनके रन बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि उनसे अक्सर जीत मिलती है। वह एक विशेष प्रतिभा हैं।

पुजारा ने अभिषेक की स्वाभाविक क्षमता और निरंतरता पर भी जोर दिया, और कहा कि जब वह गुणवत्तापूर्ण विरोधियों के खिलाफ पूरे जोश में होते हैं तो उनकी प्रतिभा स्पष्ट रूप से सामने आती है।

पुजारा ने कहा, 'जब वह इस तरह का प्रदर्शन करता है, तो उसकी प्रतिभा सबके सामने आ जाती है। बहुत कम बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा जैसी प्रतिभा और स्तर होता है।

शर्मा ने आईपीएल में अपना दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाकर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। मंगलवार को शर्मा शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने मात्र 47 गेंदों में अपना दूसरा आईपीएल शतक पूरा किया, जिसमें 9 चौके और 10 विशाल छक्के शामिल थे। यह उनकी पावर-हिटिंग का एक अद्भुत प्रदर्शन था।

एसआरएच के सलामी बल्लेबाज ने 68 गेंदों पर 135 रन बनाकर नाबाद पारी खेली, जिससे हैदराबाद ने अपने 20 ओवरों में 242/2 का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। यह शर्मा का दूसरा आईपीएल शतक था।

इस प्रयास के साथ, अभिषेक ने टी20 में नौ शतक लगा लिए और भारतीय बल्लेबाजों में विराट कोहली के बराबर आ गए।

सर्वकालिक सूची में, क्रिस गेल 22 शतकों के साथ सबसे आगे हैं, उसके बाद बाबर आजम (12) और डेविड वार्नर (10) हैं, जबकि अभिषेक अब क्विंटन डी कॉक, रिले रोसौ और साहिबजादा फरहान जैसे खिलाड़ियों के समूह में शामिल हो गए हैं।

243 रनों के विशाल लक्ष्य का बचाव करते हुए, ईशान मलिंगा ने शानदार चार विकेट लेकर सनराइजर्स हैदराबाद को दिल्ली कैपिटल्स पर 47 रनों की बड़ी जीत दिलाई।

प्रीमियर लीग: ब्राइटन ने चेल्सी को 3-0 से हराया: पैलेस और वेस्ट हैम के बीच मैच ड्रॉ रहा

ब्राइटन [यूके], एजेंसी। ब्राइटन एंड होव एल्बियन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेल्सी को 3-0 से हराया, जबकि क्रिस्टल पैलेस और वेस्ट हैम यूनाइटेड ने अपने-अपने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) मुकाबलों में गोल रहित ड्रॉ खेला।

ब्राइटन ने अपने घरेलू मैदान पर शानदार प्रदर्शन करते हुए शुरुआती गोल दागे और पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखते हुए चेल्सी को करारी हार दी। फर्डी कादियोग्लू (तीसरे मिनट), जैक हिंशेलवुड (56वें ??मिनट) और डैनी वेलबेक (90+1 मिनट) के गोलों ने मेजबान टीम को आरामदायक जीत दिलाई, जिसने हर मोर्चे पर अपने प्रतिद्वंद्वी को पछाड़ दिया।

इस हार ने चेल्सी की मुश्किलें और बढ़ा दीं, और लगातार गोल करने में नाकाम रहने के उनके खराब प्रदर्शन में एक और निराशाजनक हार दर्ज की। ईएसपीएन के अनुसार, चेल्सी ने 1912 के बाद पहली बार लगातार पांच लीग मैचों में बिना गोल किए हार का सामना किया है।चेल्सी से हार के बाद, टीम मौजूदा प्रीमियर लीग तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गई है, जिसके 34 मैचों में 48 अंक हैं, जिसमें इस सीजन में अब तक 13 जीत, नौ ड्रॉ और 12 हार दर्ज की गई हैं।

इस बीच, ब्राइटन एंड होव एल्बियन एफसी 34 मैचों में 50 अंकों के साथ छठे स्थान पर पहुंच गया है, जिसमें उसने 13 जीत, 11 ड्रॉ और 10 हार दर्ज की हैं।

दूसरे मुकाबले में, क्रिस्टल पैलेस और वेस्ट हैम यूनाइटेड के बीच कड़ा मुकाबला हुआ और दोनों टीमें गोल करने में असफल रहीं।

फुटबॉल के महान खिलाड़ी माराडोना की मौत के मामले में लापरवाही के मुकदमे में उनकी बेटी ने डॉक्टर पर आरोप लगाया

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। मंगलवार को लापरवाही के मुकदमे के दौरान डिएगो माराडोना की बेटियों में से एक ने न्यूरोसर्जन लियोपोल्डो लुक पर जमकर हमला बोला, जिन्हें उनके पिता की मृत्यु के समय उनका प्राथमिक चिकित्सक माना जाता था।

ब्यूनस आयर्स के सैन इसिड्रो शहर की एक अदालत में, जियानिन्ना माराडोना ने 2020 में अपने पिता की मृत्यु में लापरवाही के आरोपी सात चिकित्सा पेशेवरों के मुकदमे में गवाही दी।

'मैंने टेलीविजन पर सुना कि उसने कहा कि वह उसका डॉक्टर नहीं है, और मुझे इस बात पर बहुत गुस्सा आता है कि वह जिम्मेदारी नहीं लेगा,' जियानिन्ना ने कहा।

लूक और छह अन्य लोगों के खिलाफ नए सिरे से मुकदमा चलाया जा रहा है क्योंकि पिछले मई में अदालत ने मुकदमे को रद्द घोषित कर दिया था, जब मूल तीन पीठासीन न्यायाधीशों में से एक, जूलिएटा मैकिन्टाच ने मामले पर एक वृत्तचित्र में अपनी भागीदारी को लेकर हुई आलोचना के बाद इस्तीफा दे दिया था।

इस लापरवाही के मुकदमे में माराडोना की चिकित्सा टीम पर ब्यूनस आयर्स के बाहर स्थित उनके घर में उनकी मृत्यु से कुछ सप्ताह पहले पर्याप्त देखभाल प्रदान न करने का आरोप लगाया गया है। मस्तिष्क में रक्त के थक्के के लिए सर्जरी से उबरते समय 60 वर्ष की आयु में हृदय गति रुकने से माराडोना की मृत्यु हो गई।

अभियुक्तों ने सभी आरोपों से इनकार किया है और उन पर गैर इरादतन हत्या का आरोप लगाया गया है, जो अनैच्छिक हत्या के समान है क्योंकि इसमें यह निहित है कि अभियुक्त अपने कथित लापरवाह आचरण से उत्पन्न जोखिम से अवगत थे और उन्होंने इसे नजरअंदाज किया।

माराडोना की बेटी ने कहा कि लुके, मनोचिकित्सक अगस्टिना कोसाचोव और मनोवैज्ञानिक कार्लोस डियाज़ माराडोना के स्वास्थ्य और घर में नज़रबंदी के लिए ज़िम्मेदार थे, जहाँ, उनके अनुसार, स्टार का स्वास्थ्य दिन-ब-दिन बिगड़ता गया और जाहिर तौर पर किसी ने भी इसका इलाज नहीं किया।

लूक के बचाव पक्ष का आरोप है कि जियानिन्ना और उसकी बहन डाल्मा - पूर्व फुटबॉल स्टार की क्लाउडिया विलाफेन के साथ उनके रिश्ते से हुई सबसे बड़ी बेटियां - अपने पिता के स्वास्थ्य में लंबे समय से हो रही गिरावट के दौरान उनकी देखभाल के लिए आवश्यक गति से कार्रवाई न करने के लिए जिम्मेदार थीं।

भारतीय फुटबॉल टीम को गोवा में आयोजित एसएएफएफ महिला चैंपियनशिप के ग्रुप बी में रखा गया है

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के ढाका स्थित एसएएफएफ सचिवालय में आयोजित ड्रॉ के बाद, भारतीय महिला राष्ट्रीय टीम को दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (एसएएफएफ) महिला चैंपियनशिप 2026 के ग्रुप बी में बांग्लादेश और मालदीव के साथ रखा गया है।

यह टूर्नामेंट 25 मई से 6 जून 2026 तक गोवा के मार्गाओ में आयोजित किया जाएगा। ग्रुप ए में नेपाल, श्रीलंका और भूटान शामिल हैं। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एसएएफएफ महिला चैंपियनशिप 2026 के सभी मैच पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले जाएंगे।

यह दूसरी बार होगा जब भारत एसएएफएफ महिला चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। इससे पहले 2016 में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में इसका आयोजन हुआ था, जहां ब्लू टाइगर्स ने अपना चौथा खिताब जीता था। यह दूसरी बार होगा जब गोवा एसएएफएफ टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। 1999 की पुरुष चैंपियनशिप भी पीजेएन स्टेडियम में आयोजित की गई थी, जहां भारत ने फाइनल में बांग्लादेश को हराकर खिताब जीता था।

एसएएफएफ महिला चैम्पियनशिप 2026 के ड्रॉ के लिए सीडिंग 21 अप्रैल को जारी नवीनतम फीफा महिला विश्व रैंकिंग के अनुसार की गई थी। भारत (69वें स्थान) और नेपाल (87वें स्थान) को पॉट 1 में रखा गया। बांग्लादेश (112वें स्थान) और श्रीलंका (162वें स्थान) को पॉट 2 में रखा गया। भूटान (164वें स्थान) और मालदीव (167वें स्थान) को पॉट 3 में रखा गया।

भारत एसएएफएफ महिला चैंपियनशिप का रिकॉर्ड पांच बार का चैंपियन है, जिसने 2010, 2012, 2014, 2016 और 2019 में खिताब जीते हैं। बांग्लादेश ने पिछले दो संस्करण 2022 और 2024 में जीते हैं।

शिवा नरवाल और चिराग शर्मा ने 10 मीटर एयर पिस्टल में क्रमशः स्वर्ण और कांस्य पदक जीता

काहिरा [मिस्त्र], एजेंसी। पूर्व मिश्रित टीम विश्व चैंपियन शिव नरवाल ने तीन साल के अंतराल के बाद वापसी करते हुए मंगलवार को मिस्त्र अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक शहर में आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप राइफल/पिस्तौल/शॉटगन प्रतियोगिताओं के पहले दिन 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष जूनियर स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

एक विज्ञप्ति के अनुसार, चिराग शर्मा ने कांस्य पदक जीतकर नरवाल के साथ पोडियम पर जगह बनाई, जबकि पनाह भुगरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीता।

शिवा नरवाल ने क्वालीफाइंग राउंड से अपनी शानदार फॉर्म को बरकरार रखते हुए 241.8 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने उज्बेकिस्तान के सोदिकजोन अब्दुल्लायेव से 1.8 अंकों से बढ़त बनाई, जिन्हें रजत पदक मिला। भारत के चिराग शर्मा ने 218.9 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि फाइनल में पहुंचे दूसरे भारतीय खिलाड़ी अभिनव देशवाल 136.7 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहे।

इससे पहले क्वालीफाइंग राउंड में, शिवा ने 576-19× के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, उसके बाद अभिनव 576-16× के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे और चिराग ने 575-13× के स्कोर के साथ चौथे स्थान पर क्वालीफाई किया।

जम्मू-कश्मीर में 8 वर्षीय गुरनूर कौर सबसे कम उम्र की ताइक्वांडो ब्लैक बेल्ट धारक बनीं।

पूंछ, एजेंसी। आठ वर्षीय गुरनूर कौर ने पूरे जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में सबसे कम उम्र की ताइक्वांडो ब्लैक बेल्ट धारक बनने के बाद अपनी खुशी व्यक्त की, जो उनकी खेल यात्रा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

इस उपलब्धि पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए गुरनूर ने कहा कि वह इस सम्मान से बेहद खुश हैं और उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय वर्षों के निरंतर अभ्यास और समर्पण को दिया।

'मैं इस उपलब्धि से बेहद खुश हूं... मैं चार साल से अभ्यास कर रही हूं... मैं राष्ट्रीय खिलाड़ी बनना चाहती हूं और देश के लिए स्वर्ण पदक लाना चाहती हूं,' ।

उनकी कोच ज़ायरा बुखारी ने इस उपलब्धि को न केवल जिले बल्कि पूरे केंद्र शासित प्रदेश के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने पिछले चार वर्षों में गुरनूर के अनुशासन और कड़ी मेहनत की सराहना करते हुए उन्हें अन्य युवा लड़कियों के लिए प्रेरणा बताया।

बुखारी ने कहा, 'यह जिले के साथ-साथ पूरे केंद्र शासित प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है कि गुरनूर कौर जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश की सबसे कम उम्र की ब्लैक बेल्ट धारक बनी हैं। उन्होंने चार साल तक कड़ी मेहनत की है और यह अन्य लड़कियों के लिए भी प्रेरणा है। '

उन्होंने गुरनूर के भविष्य की संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि निरंतर समर्पण के साथ, इस युवा खिलाड़ी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता है।

उन्होंने आगे कहा, 'इस रफ्तार से वह निश्चित रूप से एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बनेंगी और एक दिन वैश्विक स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। '

फरवरी में, भारत में लड़ाकू खेलों के विकास को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने एशियाई खेल 2026 से पहले ताइक्वांडो और कराटे के खिलाड़ियों के लिए अनुकूलित अंतरराष्ट्रीय अनुभव और कोचिंग सहायता को मंजूरी दे दी, जैसा कि एक विज्ञप्ति में बताया गया है।

ताइक्वांडो में, रोडाली बरुआ को पांच अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं - बुल्गारिया ओपन 2026, स्लोवेनिया ओपन 2026, डच ओपन 2026, ओशिनिया चैंपियनशिप 2026 - में भाग लेने के लिए समर्थन प्राप्त है, जो विश्व ताइक्वांडो महासंघ (डब्ल्यूटीएफ) द्वारा मान्यता प्राप्त जी2 स्तर की प्रतियोगिताएं हैं।

वह 2026 में नेपाल में आयोजित होने वाली चौथी माउंट एवरेस्ट इंटरनेशनल ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप में भी भाग लेने वाली हैं, जो एक जी1-स्तरीय टूर्नामेंट है।

ला लीगा: रियल मैड्रिड अलावेस से आगे: रियल बेतिस ने गिरोना को 3-2 से हराया

मैड्रिड [स्पेन], एजेंसी। रियल मैड्रिड ने अलावेस पर 2-1 से करीबी जीत हासिल की, जबकि रियल बेटिस ने बुधवार को चल रहे ला लीगा सीजन में गिरोना के खिलाफ 3-2 की प्रभावशाली जीत दर्ज की।

रियल मैड्रिड ने अलावेस के खिलाफ कड़े मुकाबले में जीत हासिल करके खिताब की दौड़ में अपनी बढ़त को बरकरार रखा। लॉस ब्लैंकोस ने करीबी मुकाबले में संयम बनाए रखते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को एक गोल के अंतर से हराकर तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए।

किलियन म्बाप्पे ने 30वें मिनट में पहला गोल करके मेजबान टीम को बढ़त दिलाई, जबकि विनीसियस जूनियर ने 50वें मिनट में रियल मैड्रिड की बढ़त को और बढ़ा दिया।

अलावेस ने अंतिम समय में जोरदार चुनौती पेश की और टोनी मार्टिनेज के माध्यम से स्टॉपेज टाइम (90+3') में एक गोल करके स्कोर कम किया, लेकिन मैड्रिड ने जीत हासिल करने के लिए अपनी दृढ़ता बनाए रखी।

ताइक्वांडो एथलीट का दावा है कि अधिकारी उसके एशियाई खेलों के सपने को खत्म कर रहे हैं

ताइक्वांडो (अंडर-46 किलोग्राम) में मौजूदा राष्ट्रीय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता वैष्णव बेहद परेशान हैं। उनका मानना है कि अधिकारी इस साल के अंत में होने वाले एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के उनके अवसरों को बर्बाद करने पर तुले हुए हैं। वैष्णव पिछले साल की सीनियर विश्व चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय महिला ताइक्वांडो खिलाड़ी हैं। इसके बावजूद उन्हें खुद को साबित करने का मौका नहीं दिया गया है। इसका कारण यह है कि भारतीय ताइक्वांडो, जिसे विश्व ताइक्वांडो द्वारा आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त है, ने एशियाई चैंपियनशिप के लिए कम से कम दो चयन परीक्षणों में 49 किलोग्राम वर्ग में, जो एक ओलंपिक स्पर्धा है, उन्हें वाइल्ड कार्ड एंट्री देने से इनकार कर दिया है। एशियाई चैंपियनशिप एशियाई खेलों के लिए एक सीधी क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है।

यह सब तब शुरू हुआ जब वह नैरोबी, केन्या में अंडर-21 विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने के कारण उत्तर प्रदेश राज्य चैंपियनशिप में शामिल नहीं हो पाई। इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी को राज्य अधिकारियों ने फेडरेशन कप में प्रवेश देने से इनकार कर दिया, जो एशियाई खेलों के लिए एक ट्रायल था। हैरानी की बात यह है कि यूपी राज्य संघ के महासचिव रजत दीक्षित, अंडर-21 विश्व चैंपियनशिप की चयन समिति के सदस्य होने के साथ-साथ भारतीय ताइक्वांडो के कोषाध्यक्ष भी थे। जनवरी में, उन्होंने अंडर-49 किलोग्राम वर्ग में चयन ट्रायल के लिए भाग लिया, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हार गईं। इसके बाद, उन्हें चोट लग गई और नाक की सर्जरी करानी पड़ी।

वैष्णव का कहना है कि इस साल की शुरुआत से ही उन्हें अधिकारियों की उदासीनता का सामना करना पड़ रहा है। जनवरी में नाक में लगी चोट के कारण उन्हें पुणे में आयोजित प्रतियोगिता से बाहर होना पड़ा, जो एशियाई खेलों के लिए ट्रायल के तौर पर भी आयोजित की गई थी। चोट से उबरने और सभी चिकित्सीय मंजूरी मिलने के बाद भी, उन्हें 27-28 मार्च को बेंगलुरु में आयोजित ट्रायल में भाग लेने का मौका नहीं दिया गया।

नगरीय निकायों के कार्यों की मैराथन समीक्षा का दूसरा दिन, उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने की नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेशभर के नगरीय निकायों की समीक्षा का दौर आज दूसरे दिन भी जारी रहा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने रायपुर के सिविल लाइन स्थित सर्किट हाउस में आज दिनभर चली बैठक में सभी नगर पंचायतों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को बेतरतीब निर्माणों, अवैध प्लाटिंग और अतिक्रमण पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर पंचायतों के कार्यों और व्यवस्थाओं में कसावट लाने को कहा। श्री साव ने कहा कि काम में लापरवाही और कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जवाबदेही तय कर संबंधितों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सभी सीएमओ को नई सोच और नई कार्य पद्धति से शहरों तथा शहरवासियों के कल्याण के लिए काम करने को कहा। उन्होंने राज्य के उभरते शहरों को सुव्यवस्थित, सुनियोजित, स्वच्छ और सुंदर बनाने के साथ ही नागरिकों के लिए पर्याप्त जन सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पांचों संभागों के विभागीय क्षेत्रीय संयुक्त संचालकों को हर तिमाही में प्रत्येक नगर पालिका और नगर पंचायत का व्यक्तिगत निरीक्षण कर संचालक को प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस., संचालक श्री आर. एक्का और राज्य शहरी विकास अभिकरण (SUDA) के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सभी सीएमओ को आगामी 31 मई तक नगर पंचायतों की नई संपत्तियों पर करारोपण का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व संग्रहण बढ़ाने संपत्ति कर, जल कर, यूजर चार्ज जैसे करों की वसूली गंभीरता और कड़ाई से करने को कहा। उन्होंने एनर्जी ऑडिट के माध्यम से गैर-जरूरी विद्युत कनेक्शनों की पहचान कर इसके विच्छेदन की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने निकाय के सभी कार्मिकों को हर माह समय पर वेतन और बिजली बिल का भुगतान सुनिश्चित करने को भी कहा।

श्री साव ने जल संरक्षण के लिए विशेष प्रयास करने के लिए निर्देशित करते हुए शत-प्रतिशत भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स का निर्माण कराने को कहा। उन्होंने 31 मई तक बड़े नाला-नालियों और ड्रेनेज की सफाई के काम पूर्ण करने के साथ ही बरसात में जल भराव रोकने जरूरी उपाय करने को कहा। श्री साव ने सभी सीएमओ को मुख्यालय में ही निवास करते हुए प्रतिदिन प्रातः भ्रमण कर शहर की साफ-सफाई और विकास कार्यों की मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। उन्होंने भ्रमण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी अपने साथ रखने को कहा। उन्होंने सीएमओ द्वारा प्रातः भ्रमण में की जा रही कोताही पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए रोजाना अनिवार्यतः कार्यों के निरीक्षण के निर्देश दिए।

श्री साव ने शहरों में नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए बच्चों के लिए खेल के मैदानों और उद्यानों के लिए जगहों का चिन्हांकन करने को कहा। उन्होंने कुनकुरी और अंबागढ़-चौकी में निर्माणाधीन नालंदा परिसरों का निर्माण इस साल दिसम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। श्री साव ने पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था पर दूरदर्शिता से काम करते हुए अगले दस वर्षों के लिए पर्याप्त इंतजाम सुनिश्चित करने को कहा।

गंगरेल बांध के उन्नयन को मिली रफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। धमतरी जिले में स्थित रविशंकर सागर जलाशय, जिसे गंगरेल बांध के नाम से जाना जाता है, को अब उन्नयन और महत्वपूर्ण मरम्मत कार्यों के जरिए और अधिक सुदृढ़ व सुरक्षित बनाया जाएगा। राज्य शासन ने बांध की दीर्घकालिक सुरक्षा और संरचनात्मक मजबूती के लिए 65.5 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। इस पहल से न केवल बांध की आयु में वृद्धि होगी, बल्कि डैम सेफ्टी के मानकों को भी नई मजबूती मिलेगी।

प्रस्तावित कार्यों के अंतर्गत वर्टिकल प्रेशर ड्रेन की सफाई सहित अन्य आवश्यक संधारण कार्य किए जाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इन आधुनिक तकनीकों के उपयोग से बांध की आंतरिक संरचना सुदृढ़ होगी और जल रिसाव की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकेगा। कलेक्टर ने इस परियोजना को प्राथमिकता देते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने टेंडर प्रक्रिया में तेजी लाने, गुणवत्ता मानकों के कड़ाई से पालन और कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1978 में निर्मित यह बहुउद्देशीय जलाशय पिछले लगभग चार दशकों से अधिक समय से क्षेत्र की जीवनरेखा बना हुआ है। गंगरेल बांध के माध्यम से नहरों द्वारा धमतरी सहित कई जिलों में हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई की जाती है। इसके साथ ही यह जलाशय पेयजल आपूर्ति, औद्योगिक उपयोग और 11.2 मेगावाट विद्युत उत्पादन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

कलेक्टर ने कहा, 'रविशंकर सागर जलाशय केवल धमतरी ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की जीवनरेखा है। इसकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। स्वीकृत कार्यों से बांध की संरचनात्मक मजबूती सुनिश्चित होगी और सीपेज की समस्या का वैज्ञानिक समाधान किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सतत मॉनिटरिंग, गुणवत्ता परीक्षण और समयबद्ध कार्य योजना तैयार की गई है।

एक पोकलेन और 3 हाइवा जब्त

शासकीय भूमि से हो रहा था अवैध खनन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुंगेली जिले में अवैध उत्खनन पर अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शासकीय भूमि से अवैध खनन में संलिप्त एक पोकलेन मशीन और तीन हाइवा वाहनों को जब्त किया है। कलेक्टर के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में मुंगेली विकासखंड के ग्राम अमरटापू (मोतिमपुर) क्षेत्र में बिना अनुमति खनन कार्य संचालित पाया गया। जानकारी के अनुसार मुंगेली एसडीएम के नेतृत्व में राजस्व एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने सूचना के आधार पर मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान शासकीय भूमि पर अवैध रूप से खनिज उत्खनन किया जा रहा था, जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित मशीनरी एवं वाहनों को जब्त कर लिया गया।

जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए जिले में लगातार निगरानी रखी जा रही है। इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन का कहना है कि शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

रायपुर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के क्रियान्वयन में सूरजपुर बना प्रदेश में प्रथम स्थान पर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) के प्रभावी क्रियान्वयन ने ग्रामीण भारत में आवास परिदृश्य को पूरी तरह से बदल दिया है, जिससे सभी के लिए आवास का सपना साकार हो रहा है। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन में विगत दो वर्ष (वित्तीय वर्ष 2024-26) में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह सफलता जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी के कुशल निर्देशन एवं सतत मॉनिटरिंग और समर्पित प्रयासों का परिणाम है।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) ने पारदर्शी तरीके से लाभार्थियों को सीधे सहायता प्रदान करके और अन्य योजनाओं के साथ तालमेल बिठाकर ग्रामीण राज्य में आवास की कमी को कम करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। गौरतलब है कि शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत जिले में कुल 72 हजार 368 पात्र परिवारों को आवास स्वीकृत किए गए थे, इनमें से अब तक 63 हजार 947 आवासों का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है, जो कि 88.36 प्रतिशत की प्रभावशाली उपलब्धि को दर्शाता है। यह आंकड़ा न केवल प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर सुधारने की दिशा में एक ठोस कदम भी है।

वित्तीय प्रबंधन के स्तर पर भी सूरजपुर जिला राज्य में अग्रणी रहा है। आवास निर्माण के लिए निर्धारित 868.42 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 809.23 करोड़ रुपये, अर्थात् 93.18 प्रतिशत राशि सीधे हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, इससे पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है और निर्माण कार्य में तेजी आई है। इसके साथ ही, जिले में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए 'आवास प्लस 2.0' के तहत 1.40 लाख से अधिक परिवारों का नवीन सर्वे भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया है, जिससे आने वाले समय में और अधिक जरूरतमंद परिवारों को योजना का लाभ मिल सकेगा। जिला प्रशासन की सक्रियता, जमीनी स्तर पर निरंतर निगरानी और हितग्राहियों की सहभागिता ने इस योजना को एक जन-आंदोलन का रूप दे दिया है।

पीडीएस की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित

उचित मूल्य दुकानों में चावल की पर्याप्त उपलब्धता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खाद्य नियंत्रक जिला रायपुर द्वारा बताया गया कि पी डी एस की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो रहा है। राशन दुकानों में (उचित मूल्य दुकानों) में चावल की पर्याप्त उपलब्धता है। राज्य में हितग्राहियों को नियमित रूप से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है तथा किसी भी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। विभागीय भंडारण में पर्याप्त मात्रा में चावल उपलब्ध है और वितरण कार्य निरंतर जारी है।

राज्य के खाद्य विभाग ने राशन दुकानों में चावल सार्वजनिक वितरण प्रणाली (च्वै) के तहत खाद्यान्न वितरण पूरी तरह सुचारू रूप से संचालित हो रहा है। विभाग के अनुसार माह के प्रारंभिक दिनों में कुछ उचित मूल्य की दुकानों पर हितग्राहियों की अधिक उपस्थिति के कारण अस्थायी रूप से कतार की स्थिति बन जाती है। हालांकि स्थानीय स्तर पर व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं, जिससे वितरण कार्य सुचारू रूप से हो सके। खाद्य विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी दुकान विशेष में अस्थायी समस्या उत्पन्न होती है।

मनरेगा की 'डबरी' और 'बिहान' के सहयोग से सविता बनीं आत्मनिर्भर

मछली पालन और सब्जी उत्पादन से बढ़ी आय, ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की बनी मिसाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन की लोक-कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिल रही है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) और 'बिहान' के समन्वय से महिलाएं स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसी क्रम में सरगुजा जिले के 'रिमा' स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती सविता ने अपनी मेहनत और योजनाओं के बेहतर उपयोग से आर्थिक समृद्धि की प्रेरक मिसाल प्रस्तुत की है।

डबरी निर्माण से खुला आय का नया रास्ता: श्रीमती सविता ने बताया कि दो वर्ष पूर्व उन्होंने मनरेगा के अंतर्गत अपने खेत में डबरी का निर्माण कराया था। यह डबरी अब उनके लिए बहुउद्देशीय संसाधन बन चुकी है। एक ओर वे इसमें व्यावसायिक स्तर पर मछली पालन कर रही हैं, वहीं दूसरी ओर इसी जल स्रोत से खेतों की सिंचाई कर रही हैं।

समूह से मिला संबल, बढ़ी आय: स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक सहयोग मिला। उन्होंने समूह से 50 हजार रुपये का ऋण लेकर डबरी में मत्स्य बीज डाले। उचित देखभाल और प्रबंधन के परिणामस्वरूप उन्होंने लगभग डेढ़ लाख रुपये की मछलियों का विक्रय कर अच्छा मुनाफा अर्जित किया।वर्तमान में भी उनकी डबरी में पर्याप्त मात्रा में मछलियां हैं, जिससे आगामी समय में और अधिक आय की संभावना है।

सिंचाई से खेती और पोषण दोनों में लाभ: डबरी के पानी से सविता अपने खेतों में साग-भाजी और अन्य फसलों की खेती कर रही हैं। इससे उनके परिवार को पोषक आहार मिल रहा है, साथ ही बाजार में सब्जियां बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त हो रही है।

श्रीमती सविता ने अपनी सफलता का श्रेय शासन की योजनाओं को देते हुए कहा कि इन पहलों ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। एक मां और सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए वे आज एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित हो चुकी हैं।

प्रदेश में मनरेगा और 'बिहान' जैसी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ सम्मानजनक जीवनयापन के अवसर मिल रहे हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

संघर्ष से समृद्धि तक के सफर की मिसाल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सीमित संसाधनों और आर्थिक तंगी के बीच जीवन यापन करने वाली गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले की सकोला तहसील के ग्राम पंचायत मडई की सुश्री ओमबती आज ग्रामीण महिला सशक्तिकरण की सशक्त मिसाल बन गई हैं। अपने आत्मविश्वास, मेहनत की बदौलत उन्होंने न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया, बल्कि समाज में एक नई पहचान भी स्थापित की है। ओमबती के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन तब आया, जब वे छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़ीं। इस मिशन ने उन्हें स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए, साथ ही आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण और प्रोत्साहन भी दिया। जयानी जलाक्षी स्वसहायता समूह की सक्रिय सदस्य के रूप में ओमबती ने समूह की अन्य महिलाओं के साथ मिलकर लघु उद्यमों की शुरुआत की। प्रारंभिक चरण में उन्होंने महुआ लड्डू, नारियल लड्डू एवं मशरूम उत्पादन जैसे व्यवसाय अपनाए। उनकी मेहनत और उत्पादों की गुणवत्ता के चलते स्थानीय बाजारों में इनकी मांग लगातार बढ़ती गई।

वर्तमान में ओमबती प्रतिमाह 8 से 10 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर रही हैं, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वे अब न केवल आत्मनिर्भर बन चुकी हैं, बल्कि लखपति दीदी बनने की ओर अग्रसर हैं। ओमबती की सफलता इस बात का प्रमाण है कि यदि सही दिशा, सशक्त मंच और दृढ़ संकल्प मिले, तो कोई भी महिला अपने जीवन की दिशा बदल सकती है। आज वे अपने परिवार के लिए संबल बनने के साथ-साथ गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा स्रोत बनी हुई हैं। छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही है।

अवैध ईंट भट्ठे पर बड़ी कार्रवाई लाखों ईंटें और लकड़ी जब्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजनांदगांव जिले में राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम माहुलझोपड़ी में संचालित एक अवैध ईट भट्ठे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों की संख्या में ईंटें, लकड़ी एवं अन्य सामग्री जब्त की है। बिना किसी वैध अनुमति एवं दस्तावेज के संचालित इस भट्ठे से लगभग 3 लाख 20 हजार पक्की ईट, 1 लाख 60 हजार कच्ची ईट, 70 ट्रॉली मिट्टी तथा 6 ट्रॉली लकड़ी जब्त की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार डोंगरगांव विकासखण्ड के ग्राम माहुलझोपड़ी में दुर्गा बाई की भूमि पर दाऊ लाल द्वारा अवैध रूप से ईट निर्माण कार्य किया जा रहा था। मामले की जानकारी मिलने पर कलेक्टर के निर्देशन में संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और संपूर्ण गतिविधि को तत्काल प्रभाव से बंद कराया।

कार्रवाई के दौरान जब्त की गई लकड़ी को सुरक्षार्थ वन विभाग के सुपुर्द किया गया है, वहीं अन्य सामग्री को अग्रिम कार्रवाई तक ग्राम पंचायत गिरगांव के सुपुर्द किया गया है। इस कार्रवाई में नायब तहसीलदार श्री चिराग रामटेके, रेंज ऑफिसर श्री आकाश ठाकुर सहित राजस्व एवं वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध गतिविधियों के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

बच्चों का भविष्य हमारी थाली में : पोषण, परवरिश और जीवनशैली का समग्र दृष्टिकोण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। आज का बचपन एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। बच्चों में तेजी से बढ़ता मोटापा अब केवल एक स्वास्थ्य समस्या नहीं, बल्कि हमारी बदलती जीवनशैली का स्पष्ट संकेत बन चुका है। घंटों मोबाइल और टीवी स्क्रीन के सामने बिताया जाने वाला समय, खेल के मैदानों से बढ़ती दूरी और जंक फूड की सहज उपलब्धता इन तीनों ने मिलकर बच्चों की स्वाभाविक सक्रियता को सीमित कर दिया है। इसके परिणामस्वरूप टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप और थायरॉइड विकार जैसी बीमारियाँ कम उम्र में ही सामने आने लगी हैं। साथ ही, आत्मविश्वास में कमी, सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियाँ भी तेजी से उभर रही हैं।

छत्तीसगढ़ में बच्चों और माताओं के बेहतर स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। पोषण, स्वास्थ्य और जन-जागरूकता से जुड़े अभियानों को गाँव-गाँव तक पहुँचाया जा रहा है, जिससे हर परिवार तक सही जानकारी और सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु पोषण को केंद्र में रखते हुए अनेक पहलें संचालित की जा रही हैं। उनका स्पष्ट मानना है कि बच्चों का समग्र विकास केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि परिवार और समाज की संयुक्त भागीदारी से ही संभव है। स्थानीय खाद्य परंपराओं को पुनर्जीवित करना, माताओं को पोषण के प्रति जागरूक करना और बच्चों के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।पारंपरिक आहारः समाधान की मजबूत नींव राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 2026 इस बात को पुनः रेखांकित करता है कि स्वस्थ जीवन का रास्ता हमारी अपनी रसोई से होकर गुजरता है। रागी, बाजरा, ज्वार, कोदो-कुटकी जैसे मिलेट्स पोषण का समृद्ध स्रोत हैं। ये न केवल बच्चों के वजन को संतुलित रखने में सहायक हैं, बल्कि पाचन को बेहतर बनाते हैं और लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करते हैं। रागी की इडली, बाजरे का उपमा और कोदो की खिचड़ी जैसे व्यंजन स्वाद और स्वास्थ्य का संतुलित संगम प्रस्तुत करते हैं।

पोषण से आगे: समग्र विकास की जिम्मेदारी बच्चों का स्वास्थ्य केवल भोजन तक सीमित नहीं है। यह एक साझा जिम्मेदारी है, जिसमें परिवार, विद्यालय और समाज सभी की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। जब माता-पिता बच्चों की थाली में विविधता और संतुलन सुनिश्चित करते हैं, शिक्षक पढ़ाई के साथ खेल को भी समान महत्व देते हैं और समाज बच्चों को उनके वजन से नहीं बल्कि उनकी ऊर्जा और जिज्ञासा से आंकता है तभी स्वस्थ और आत्मविश्वासी पीढ़ी का निर्माण संभव होता है।

पहले 1,000 दिन: भविष्य की नींव वैज्ञानिक दृष्टि से गर्भधारण से लेकर बच्चे के दो वर्ष की आयु तक का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यही वह अवधि है, जब बच्चे के मस्तिष्क का सबसे तेज विकास होता है। जन्म के समय जहाँ मस्तिष्क का विकास लगभग 30 प्रतिशत होता है, वहीं पाँच वर्ष की आयु तक यह 90 प्रतिशत तक पहुँच जाता है। इस दौरान माँ का पोषण, परिवार का स्नेह और सकारात्मक वातावरण बच्चे के मानसिक और भावनात्मक विकास की मजबूत आधारशिला तैयार करते हैं। '7 स्टार भोजन थाली ': संतुलित पोषण का सरल मॉडल 7 स्टार भोजन थाली' एक ऐसी अवधारणा है, जो संतुलित और विविध आहार के महत्व को रेखांकित करती है। इसमें विभिन्न पोषक तत्वों अतिरिक्त कैलोरी प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, तरल पदार्थ और विटामिन की पर्याप्त मात्रा का समावेश कर माँ और बच्चे दोनों के लिए आवश्यक पोषण सुनिश्चित किया जाता है। यह पहल केवल एक योजना नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज के निर्माण का आधार है। कुपोषण और एनीमिया जैसी समस्याएँ न केवल माँ को प्रभावित करती हैं, बल्कि बच्चे के जन्म के समय वजन, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मस्तिष्क विकास पर भी गहरा असर डालती हैं। पोषण पखवाड़ा हमें यह संदेश देता है कि स्वास्थ्य कोई सीमित समय का अभियान नहीं, बल्कि एक निरंतर विकसित होने वाली संस्कृति है। यह संस्कृति हर घर की रसोई, हर स्कूल के टिफिन और हर मोहल्ले के खेल मैदान में विकसित होती है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा